page 1 and 8 Apr 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/12/2026 1:47 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 उधमपुर में तीन माह का नशा मुक्त अभियान शुरू

5 मास्टर्स गोल्फप्रतियोगिता में रारी मैकइलराय की धमाकेदार बढ़त

8 नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ समारोह

न्यूनतम 18

मौसम जम्मू

अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-89 | जम्मू तवी, रविवार 12 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

अरनिया सेक्टर में मिला संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा

जम्मू, 11 अप्रैल । सीमा पुलिस चौकी साई सेक्टर अरनिया के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गरोरे नाले के पास सरदारी खेल मैदान में शनिवार को लगभग 06-55 बजे एक संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा देखे जाने की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई। सीमा पुलिस चौकी साई की एक पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके को सुरक्षित कर लिया। हरे और सफेद रंग के इस गुब्बारे को कब्जे में ले लिया गया।

बरामद वस्तु को आगे की जांच और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए सीमा पुलिस चौकी साई में रखा गया है। वस्तु के स्रोत और उद्देश्य का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सतर्क है और जनता से आग्रह करती है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को दें।

वुलर झील संरक्षण- 5 वर्ग किमी क्षेत्र पुनर्स्थापित, 1.31 लाख पेड़ हटाए गए

जम्मू तवी, 11 अप्रैल। एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील और महत्वपूर्ण रामसर स्थल वुलर झील में संरक्षण कार्यों के तहत लगभग 5 वर्ग किलोमीटर गंभीर रूप से गाद से भरे क्षेत्र को पुनर्स्थापित किया गया है। इसके साथ ही वैज्ञानिक योजना के तहत 1.31 लाख विलो (बेंत/विलायती) पेड़ों को चरणबद्ध तरीके से हटाया गया है ताकि झील का पारिस्थितिक संतुलन बहाल किया जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, झील की जलधारण क्षमता बढ़ाने और क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के लिए लगभग 78.43 लाख घन मीटर गाद की खुदाई की गई है। इसके अलावा लगभग 15 किलोमीटर संवेदनशील क्षेत्रों में बांधों को मजबूत किया गया है ताकि अतिक्रमण रोका जा सके और बाढ़ से सुरक्षा मिल सके। वुलर संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इको-रिस्टोरेशन के तहत आधारभूत ढांचे का भी विकास किया जा रहा है।

कृषि की पैदावार बढ़ाना, लागत घटाना और विविधीकरण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : शिवराज

रायसेन 11 अप्रैल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कृषि को लाभप्रद बनाने के लिए पैदावार में वृद्धि, लागत में कमी और फसलों का विविधीकरण सरकार की शीर्ष प्राथमिकता और वर्तमान समय की जरूरत है

श्री चौहान यहां आज से शुरू हुए राष्ट्रीय स्तर के उन्नत कृषि महोत्सव 2026 मेले का शुभारंभ के अवसर पर आए हुए थे। यह कृषि मेला 13 अप्रैल तक चलेगा।

इस मौके पर उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे केवल पारंपरिक अनाज-प्रधान खेती से आगे बढ़कर एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाएँ, क्योंकि जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों- एक, दो या तीन एकड़ पर भी अगर अनाज के साथ फल, सब्जी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन जोड़ा जाए, तो वास्तविक रूप से लाभकारी खेती संभव है। उन्होंने बताया कि इस उन्नत कृषि महोत्सव में एक एकड़ के सम्पूर्ण इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल का लाइव डेमो लगाया गया है, और वैज्ञानिक मार्गदर्शन में इस मॉडल को अपनाने पर किसान एक एकड़ में भी दो लाख रुपये से अधिक की आमदनी कमा सकते हैं।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे तीनों दिन पूरी गंभीरता से इन सत्रों में भाग लें, सीखें और अपनी कृषि पद्धति बदलें, क्योंकि कम जमीन पर अलग-अलग फसलों के साथ अधिक आमदनी प्राप्त करना ही इस महोत्सव का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वह केवल भाषण देकर लौट जाने वाले नहीं हैं, बल्कि स्वयं भी तीनों दिन यहीं रहकर विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे भी सूचना के अनुसार अलग-अलग सत्रों में सक्रिय भागीदारी करें। श्री चौहान ने कहा कि इस मेले को मात्र भाषण-कार्यक्रम की बजाय पाठशाला के रूप में तैयार किया गया है, जहाँ देश के शीर्ष वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ और उन्नतशील किसान अलग-अलग हॉलों में लगभग 20 विषयों पर सत्र लेंगे- हॉर्टिकल्चर, बागवानी, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, मशीनों के उपयोग से लागत घटाने, ड्रोन के बहुआयामी उपयोग, बाज़ार से जुड़ाव और मिट्टी परीक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार हर राज्य का कृषि रोडमैप तैयार कर रही है, क्योंकि हर राज्य के मौसम और मिट्टी अलग हैं। इस रोडमैप में किस क्षेत्र में कौन-सी फसल, बागवानी फसल, बीज किस्म जैसी जानकारियों का खाका तैयार किया जा रहा है।

उपराज्यपाल ने 'नशा मुक्त अभियान' के तहत हजारों लोगों की पदयात्रा का किया नेतृत्व

हमारे युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू, 11 अप्रैल । हमारे युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा कहते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान शुरू किया और नशीली दवाओं के तस्करों के पासपोर्ट और आधार कार्ड रद्द करने और उनकी संपत्तियों को जब्त करने सहित कड़े दंडात्मक उपायों की घोषणा की। जम्मू के एमए स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी है और जोर देकर कहा कि

> "हमने एक ऐसे संकल्प को आवाज दी है जो केंद्र शासित प्रदेश के हर गांव, कस्बे, शहर, घर और हर दिल तक पहुंचेगा और नशा मुक्त क्षेत्र के संकल्प को पूरा करेगा

यह खतरा हर गांव, हर जिले और समाज के हर वर्ग में फैल चुका है। प्रशासन की कार्ययोजना का विस्तार से वर्णन करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि मादक पदार्थों के नेटवर्क को आर्थिक और कानूनी रूप से समाप्त करने के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गई है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के तस्करों के पासपोर्ट, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए जाएंगे। उनकी चल और अचल संपत्तियां जब्त की जाएंगी, बैंक खाते फ्रीज किए जाएंगे और वित्तीय जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जवाबदेही और निवारण सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष मादक पदार्थों के तस्करों की पहचान पुलिस स्टेशन स्तर पर सार्वजनिक रूप से की जाएगी। सुरक्षा पहलू पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी का इस्तेमाल आतंकवाद को वित्त पोषित करने और समाज को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक पड़ोसी देश हमारे युवाओं को खोखला करने के लिए नशीली दवाओं की आपूर्ति कर रहा है, यहां पहुंचने वाली हर खेप न केवल जहर है बल्कि हमारे भविष्य के खिलाफ एक हथियार है। उन्होंने प्रवर्तन एजेंसियों को इस सिद्धांत का पालन करने का निर्देश दिया, निर्दोषों को परेशान न करें, लेकिन दोषियों को भाग अभियान की शुरुआत करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में पदयात्राओं और जन जागरूकता अभियानों का आह्वान किया और युवाओं, नागरिक समाज और सामुदायिक नेताओं से इस आंदोलन की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल प्रशासन के दम पर नहीं जीती जा सकती।

भारत किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम : राजनाथ

लखनऊ, 11 अप्रैल। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल व महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद रक्षामंत्री गोमती नगर (लखनऊ) जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी चुनौती से निपटने में भारत सक्षम है। भाजपा सरकार के रहते कोई भी संकट देश में आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त भंडार है इसलिए किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बाद उत्पन्न हालात से कोई देश अछूता नहीं है लेकिन भारत ने उन चुनौतियों पर विजय पाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है। राजनाथ ने कहा कि मुझे यह देखकर भी बड़ी खुशी होती है कि हमारा लखनऊ रक्षा क्षेत्र में भी बढ़-चढ़ कर योगदान दे रहा है।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़, इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है : राजनाथ सिंह

भोपाल, 11 अप्रैल । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गांव, गरीब, नारी, युवा और खेती-किसानी की लगातार बेहतरी के लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित卐उन्नत कृषि महोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है। खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं। किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपये सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे वे खाद, बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें।

भय हटाओ, भरोसा लाओ, भाजपा को वोट दो : कटवा रैली में बोले मोदी

कोलकाता, 11 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व बर्दवान जिले के कटवा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ और शरणार्थियों के अधिकारों के मुद्दों पर जोर दिया।उन्होंने रैली में नारा दिया, भय हटाओ, भरोसा लाओ, भाजपा को वोट दो, और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सुरक्षा और सम्मान दोनों सुनिश्चित करेगी। शरणार्थी समुदायों, विशेषकर मतुआ और नामशूद्र समाज का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उन्हें नागरिकता की गारंटी दी गई है और इस प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कहा कि 卐घुसपैठियों को देश से बाहर निकाला जाएगा और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने इसे कल्याणकारी योजनाओं में लीकेज से जोड़ते हुए कहा कि फर्जी लाभार्थी असली हकदारों का हिस्सा खा रहे हैं।श्री मोदी ने चुनाव को भय बनाम भरोसा卐 की लड़ाई बताते हुए कहा कि उनकी गारंटी है कि निर्दयी शासन का डर खत्म होगा और भरोसे का राज स्थापित होगा।उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोगों में डर का माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है।उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें छह गारंटियों के साथ विकास का स्पष्ट रोडमैप दिया गया है और पार्टी अपने वादों को पूरा करने का रिकॉर्ड रखती है।श्री मोदी ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कहा कि भाजपा सरकार बनने पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे नेता हों या मंत्री। उन्होंने चुनाव बाद हिंसा की जांच के लिए आयोग गठित करने की भी घोषणा की।उन्होंने युवाओं के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं के लिए 3,000 रुपये मासिक सहायता और सुरक्षा की गारंटी, सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के लाभ और किसानों के लिए पीएम-किसान के तहत 9,000 रुपये वार्षिक सहायता तथा धान के लिए 3,100 रुपये एमएसपी देने का वादा भी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर आयुष्मान भारत सहित सभी योजनाएं लागू की जाएंगी।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने आर्यन वैली के दरचिक में खुबानी पुष्पोत्सव का उद्घाटन किया

विविधता में एकता और साझा राष्ट्रीय पहचान पर जोर दिया

लेह, 11 अप्रैल। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज आर्यन वैली के दरचिक में एप्रिकॉट ब्लॉसम-चुली मेंडोक फेस्टिवल का उद्घाटन किया। यह उत्सव क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत परंपराओं का प्रतीक है।

उपराज्यपाल और प्रथम महिला श्रीमती संगीता सक्सेना का दरचिक पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने आर्यन वैली और वहां के लोगों की अद्भुत सुंदरता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कुछ स्थान इतने सुंदर होते हैं कि उन्हें शब्दों में बयान करना मुश्किल होता है, और दरचिक ऐसा ही एक स्थान है। उन्होंने बर्फ से ढके पहाड़ों, स्वच्छ वातावरण और लोगों की सादगी की सराहना करते हुए लद्दाख को 卐देश का ताज बताया। भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि उत्सव में प्रस्तुत नृत्यों में देश के विभिन्न हिस्सों जैसे गुजराती और दक्षिण भारतीय शैली की झलक दिखाई दी, फिर भी वे स्थानीय परंपराओं से जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि यही भारत की पहचान है, जहां विविधता के बीच एकता बनी रहती है और हर संस्कृति में एक साझा राष्ट्रीय भावना दिखाई देती है। उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें लद्दाख के लोगों की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन जनता के विकास और कल्याण के लिए समयबद्ध तरीके से कार्य करता रहेगा।

ईरान के साथ वार्ता विफल रही तो फिर हमला होगा: ट्रंप

वॉशिंगटन, 11 अप्रैल । पूरी दुनिया की सांसें थमी हुई हैं, क्योंकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में अमेरिकी वार्ताकारों का दल इस्लामाबाद में ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ की अगुआई वाले 71 सदस्यीय ईरानी प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए तैयार है।वार्ता शुरू होने से कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि यदि बातचीत विफल रहती है तो ईरान पर हमले फिर से शुरू करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों को सर्वश्रेष्ठ गोला-बारूद से लैस किया जा रहा है। श्री ट्रंप ने यह बात श्री वेंस के इस्लामाबाद वार्ता के लिए रवाना होने के तुरंत बाद कही। सात अप्रैल को हुए दो सप्ताह के संघर्ष विराम के बाद अंतिम शांति प्रक्रिया पर बातचीत करने के लिए श्री वेंस के साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और श्री ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर भी शामिल हैं। जब श्री ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बातचीत सफल होगी? तो उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए एक फोन इंटरव्यू में कहा, 卐हमें लगभग 24 घंटों में पता चल जायेगा। हमें जल्द ही जानकारी मिल जायेगी।卐उन्होंने कहा, 卐हम नयी शुरुआत कर रहे हैं। हम जहाजों को बेहतरीन गोला-बारूद और अब तक के सबसे शानदार हथियारों से भर रहे हैं। वे उन हथियारों से भी बेहतर हैं, जिनका इस्तेमाल हमने पहले उन्हें तबाह करने के लिए किया था।卐 श्री ट्रंप ने न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा, 卐हम जहाजों को अब तक के सबसे बेहतरीन हथियारों से लैस कर रहे हैं, जो पहले के विनाशकारी हथियारों से भी कहीं उच्च स्तर के हैं। अगर कोई समझौता नहीं होता है, तो हम उनका इस्तेमाल करेंगे और बहुत प्रभावी ढंग से करेंगे। इसके विपरीत ईरानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने युद्ध-पूर्व की वार्ताओं में अपना रुख कायम रखा है कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अटूट अधिकार है।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के आधार रिकॉर्ड में 'जम्मू-कश्मीर' की जगह दर्ज हुआ 'लद्दाख'

लद्दाख, 11 अप्रैल । लद्दाख के निवासियों की क्षेत्रीय पहचान को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद आधार रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक अपडेट कर राज्य के क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर की जगह लद्दाख दर्ज कर दिया है। 2019 में जम्मू कश्मीर से अलग होकर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बनने के बावजूद लद्दाख के लोगों के आधार रिकॉर्ड में लद्दाख के बजाय पहले के राज्य का नाम - जम्मू कश्मीर ही दर्ज था जिससे व्यापक चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उपराज्यपाल ने इस महत्वपूर्ण मामले में लंबे समय से लंबित स्थिति का गंभीर संज्ञान लेते हुए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रशासन ने उच्च स्तर पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के समक्ष यह मामला उठाया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लंबे समय से प्रतीक्षित यह सुधार अब सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि आधार कार्ड में लद्दाख की विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान का सही प्रतिनिधित्व हो। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लद्दाख निवासियों के आधार रिकॉर्ड में लगातार 卐जम्मू कश्मीर卐 का दिखना लोगों के लिए काफी असुविधाजनक था। निवासियों को विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाते समय पहचान और पते के वैध दस्तावेज के रूप में आधार का उपयोग करने में कठिनाई हो रही थी क्योंकि आधार में राज्य वाला क्षेत्र लद्दाख की पुनर्गठन के बाद की स्थिति से मेल नहीं खाता था।

जम्मू-कश्मीर में निकट भविष्य में स्थानीय निकाय चुनाव की संभावना कम

जम्मू तवी, 11 अप्रैल। राज्य चुनाव आयोग द्वारा पंचायत मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में निकट भविष्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने की संभावना कम नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार फिलहाल पंचायत चुनाव कराने के पक्ष में नहीं है। सूत्रों ने बताया कि निकट भविष्य में चुनाव होने की कोई संभावना नहीं है। इस तरह की प्रक्रिया के लिए सबसे पहले संभावित समय इस साल सितंबर से दिसंबर के बीच हो सकता है।

एनसी-नेतृत्व वाली सरकार के एक मंत्री ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि चुनाव उचित समय पर कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर अभी चर्चा नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार पंचायत राज व्यवस्था के तीसरे स्तर यानी जिला विकास परिषद (डीडीसी) के लिए सीधे चुनाव कराने के प्रति भी उत्साहित नहीं है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश जनक राज कोटवाल की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर अभी मंत्रिमंडल को अंतिम निर्णय लेना है। इस रिपोर्ट में पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण तय किया गया है। उन्होंने कहा, 卐कैबिनेट को यह निर्णय लेना है कि रिपोर्ट को स्वीकार करना है या अस्वीकार। जम्मू-कश्मीर में पंचायत मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कार्य जारी है, जिसे 15 मई 2026 तक पूरा कर अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। शहरी स्थानीय निकायों की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद ही उपलब्ध होगी। फिलहाल राज्य चुनाव आयोग के पास शहरी निकायों की अद्यतन मतदाता सूची नहीं है, क्योंकि पिछला पुनरीक्षण भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा 2024 में किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी अस्वीकार्य: कांग्रेस

श्रीनगर, 11 अप्रैल। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही लंबी देरी को अस्वीकार्य बताया और कहा कि पार्टी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक समीक्षा बैठक यहां आयोजित की गई, जिसमें कश्मीर के विभिन्न जिलों से समन्वयक और जिला अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष तारीक हमीद कर्रा ने की। बैठक में विभिन्न जिलों में पार्टी गतिविधियों की समीक्षा की गई। राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर चलाए जा रहे पार्टी के कार्यक्रम 卐हमारी रियासत हमारा हक पर भी चर्चा हुई। तारीक हमीद कर्रा ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे इस अभियान में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि केंद्र सरकार को स्पष्ट संदेश जाए कि राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपनी राजनीतिक गतिविधियों को और तेज करना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को इस आंदोलन से जोड़ना चाहिए। कर्रा ने कहा कि लोगों को कांग्रेस से काफी उम्मीदें हैं और उन्हें विश्वास है कि यही पार्टी उनके अधिकारों की रक्षा कर सकती है और उनकी समस्याओं का समाधान कर सकती है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जीएसटी ढांचे में किए व्यापक बदलाव

श्रीनगर, 11 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (ञस्ञ) ढांचे में कई संशोधन करते हुए नई अधिसूचनाएं जारी की हैं, जिनका उद्देश्य अनुपालन को सख्त करना, कर संरचना में बदलाव और प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। एक प्रमुख बदलाव खुदरा बिक्री मूल्य आधारित कराधान से जुड़ा है। संशोधित नियमों के अनुसार पान मसाला और तंबाकू उत्पादों सहित कुछ वस्तुओं पर कर अब घोषित खुदरा मूल्य में से कर घटाकर तय किया जाएगा। इससे टैक्स देनदारी सीधे आरएसपी से जुड़ जाएगी और अंडर-रिपोर्टिंग की संभावना कम होगी। सरकार ने जीएसटी अधिनियम में संशोधन कर इन वस्तुओं को औपचारिक रूप से आरएसपी आधारित प्रणाली में शामिल किया है। इसमें पान मसाला, सिगरेट, सिगार, तंबाकू अर्क और निकोटिन आधारित उत्पाद शामिल हैं।

वित्त विभाग ने जीएसटी दरों में भी बदलाव किया है। बीड़ी को 9 प्रतिशत कर श्रेणी में रखा गया है, जबकि पान मसाला, बिना प्रोसेस तंबाकू, सिगरेट आदि को 20 प्रतिशत टैक्स स्लैब में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य 'सिन गुड्स' से राजस्व बढ़ाना है। सरकार ने जीएसटी आदेशों में संशोधन के लिए विशेष प्रक्रिया भी लागू की है, खासकर इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े मामलों में।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

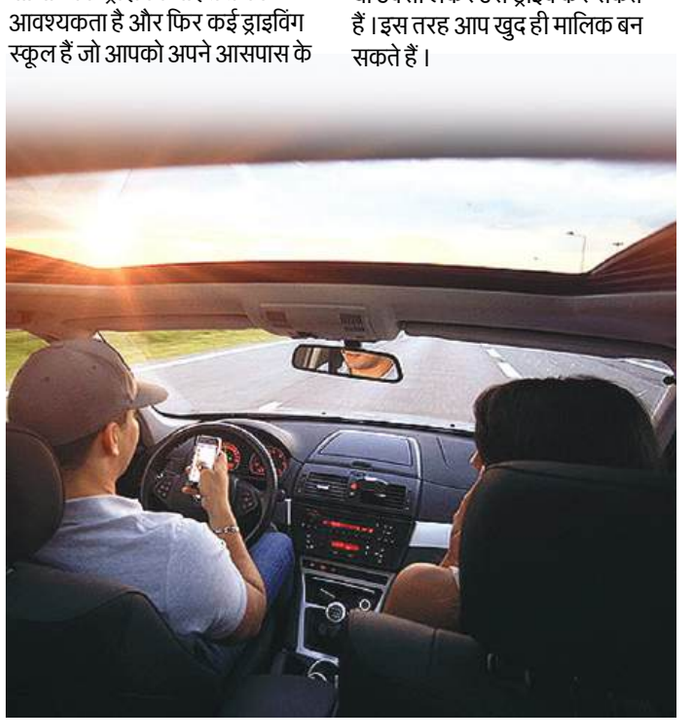

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
- मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

आकांक्षी ब्लॉक मनकोट में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया

पुंछ, 11 अप्रैल। आकांक्षी ब्लॉक मनकोट में 'संपूर्णता अभियान 2.0' के तहत राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. रबनवाज खान, डॉ. सुल्ताना एजाज, मोहम्मद यासीन (स्वास्थ्य शिक्षक) और इम्तियाज अहमद (फार्मासिस्ट) द्वारा स्वास्थ्य जांच और एएनसी सेवाएं प्रदान की गईं।

इस अवसर पर जननी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जैसी योजनाओं पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रसव पूर्व देखभाल, संस्थागत प्रसव और सुरक्षित मातृत्व के महत्व पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परवेज अहमद खान की निगरानी में किया गया। एबीपी फेलो एजाज अहमद ने कार्यक्रम का समन्वय किया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस और एनआरएलएम का सहयोग रहा।

विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्यक्रम सफल रहा और इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में मदद मिली।

उधमपुर में तीन माह का नशा मुक्त अभियान शुरू

उधमपुर, 11 अप्रैल। जिला प्रशासन उधमपुर ने 'नशा मुक्त उधमपुर अभियान' की शुरुआत पदयात्रा के साथ की।

यह रैली डीसी कार्यालय परिसर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंची।

कार्यक्रम में डीआईजी शिव कुमार शर्मा, उपायुक्त मिंगा शेरपा और एसएसपी अमृत पाल सिंह सहित कई अधिकारियों ने भाग लिया।

अधिकारियों ने बताया कि तीन महीने तक जिले में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे और लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान और शपथ ग्रहण भी कराया गया, जिसमें लोगों ने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

जिला पुलिस पुंछ ने अवैध खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

पुंछ, 11 अप्रैल (हि.स.)। जिले में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अपनी लगातार जारी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए ज़िला पुलिस पुंछ ने अलग-अलग जगहों पर कड़ी कार्रवाई की और खनन सामग्री के अनाधिकृत निष्कर्षण और परिवहन में शामिल दो वाहनों को ज़ब्त कर लिया। पुलिस थाना सुरनकोट (पीएस ने) ने रजिस्ट्रेशन नंबर जेके02 ए-2416 वाले एक टिपर को ज़ब्त किया है जो अवैध खनन गतिविधियों में शामिल पाया गया था। इसी तरह, पुलिस थाना गुरसाई (पीएस गुरसाई) ने रजिस्ट्रेशन नंबर जे के12 बी -4185 वाले एक डंपर को रोका और जब्त कर लिया जिसमें अवैध रूप से खनन की गई सामग्री ले जाई जा रही थी। दोनों वाहनों को हिरासत में ले लिया गया है और कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए दोनों मामलों में संबंधित जिला खनिज अधिकारी (डीएमओ) को सूचित कर दिया गया है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433_Sig_33_25_26 **दिनाँक: 09.04.2026**

समापन तिथि / समय: 01.05.2026 15:00

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी निविदा सूचना संख्या 433_Sig_33_25_26 समापन तिथि/समय 01.05.2026 15:00 बजे के विरुद्ध **https://www.ireps.gov.in** पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरूद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	जम्मू डिवीजन में स्थापित एफट्रॉनिक्स कंपनी के डेटा लॉगर सिस्टम के लिए तीन (03) वर्षों का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)		
निविदा समापन तिथि समय	01.05.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि और समय	09.04.2026 19:44
विज्ञापित मूल्य (रु.)	13491884.01	आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि	17.04.2026
बयाना राशि (रु.)	269800.00	पूरा होने की अवधि	36 महीने

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1204/26

अवैध शराब सहित एक तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 11 अप्रैल (हि.स.)। अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस की कठुआ इकाई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 52 क्वार्टर जेके एक्साइज व्हिस्की बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मोहिता शर्मा (एसएसपी कठुआ) के समग्र पर्यवेक्षण में थाना राजबाग की टीम ने छन्न रोडियां क्षेत्र में नाका जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 52 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंगरेज सिंह निवासी लडोली, तहसील डिंगा अंब (जिला कठुआ) के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना राजबाग में आबकारी अधिनियम की धारा 48(ए) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

कुत्ते के काटने की स्थिति में तुरंत आवश्यक कदम उठाने की अपील

पुंछ, 11 अप्रैल (हि.स.)। पुंछ नगर में कुत्तों के काटने के मामलों में बढ़ौतरी को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परवेज अहमद खान ने एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परामर्श जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और कुत्ते के काटने की स्थिति में तुरंत आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

सीएमओ ने बताया कि काटे गए स्थान को तुरंत साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक अच्छी तरह धोना चाहिए ताकि संक्रमण और रेबीज वायरस के खतरे को कम किया जा सके। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि बिना किसी देरी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर उचित इलाज कराएं और समय पर एंटी-रेबीज टीकाकरण करवाएं। डॉ. खान ने घाव पर मिर्च पाऊडर, तेल या किसी भी पारंपरिक घरेलू नुस्खे का इस्तेमाल करने से सख्त मना किया है।

UNION TERRITORY OF JAMMU&KASHMIR

OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD(R&B)DIVISION UDHAMPUR

NOTICE INVITINGTENDER

e-NITNo.09 of2026-27Dated 10.04.2026

For and onbehalf of the LieutenantGovernor,UnionTerritoryofJammuandKashmire-tenders are invited on percentage basisfrom approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K,CPWD, Railways, MES and other State/ Central Governments for the following works:-

S. No.	NameofWork	Advertised Cost(Rs. in lacs)	Cost of document (in Rs)	Earnest Money	Time Allowedfor completion	Class of Contractor	Headof Account
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	Upgradation of DC office, Udhampur. (under NFB Distt Capex Budget 2026-27)	7.30	600/-	@2% of advertised cost	30Days	"C/D-Class"	NFB Distt. Capex Budget 2026-27
2.	FACELIFTING OF DC RESIDENCE, Udhampur. (Under NFB Distt. Capex Budget 2026-27)	23.21	600/-	@2% of advertised cost	90Days	"B/C-Class"	NFB Distt. Capex Budget 2026-27

Position of AAA:- Accorded
Position of T.S:- Accorded
Position of Funds:- Authorized

The Bidding documents Consistingofqualifyinginformation,eligibilitycriteria,specifications,Drawings, bill ofquantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule:-

---

1 Date of Issue of Tender Notice 10-04-2026
2 Period of downloadingof bidding documents From11-04-2026to16-04-2026,1800Hrs
3 Date,Time and place of pre-bid meeting. 13-04-2026at1200Hrs.intheOfficeofExecutiveEngineer PWD (R&B)Division,Udhampur.
4 Bid submission Start Date 11-04-2026from1200Hrs
5 Bid Submission End Date 16-04-2026upto1800Hrs
6 Date& time of openingof Technical Bids 17-04-2026onorafter1200Hrs inthe Office of Executive(Online) Engineer, PWD(R&B)Division,Udhampur.
7 Date & time of opening of FinancialBids (Online) To benotifiedaftertechnicalbidevaluationiscompleted.

1.Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of **e-challan through TreasuryindicatingTreasuryVoucherNo.&date,nameofworkdulycreditingto0059(Revenue)favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur uploading a copy of treasurychallan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ BidSecurity/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) dulypledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur**(The date of Issuance of e- stamp/affidavit/attestationshouldbeafter date ofissueof e-NIT) as mentionedin thebiddocuments. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of TreasuryChallan.
2.The electronic bidding system wouldnotallow any late submission of bids after due date and time as per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadlineforsubmissionofbids.Forthis,the bidder need not make any addition alpaymenttowards thecost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted.Inonlinesystemofbidsubmission,themodificationandconsequential-submissionofbidsisallowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid iswithdrawn, there-submission of thebid isnot allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bidsof Responsive biddersshall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division,Udhampur. The date for same shall be intimated separately.
4.The bids for the work shall remain validf or a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5.The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Yearsfrom the date of notification, If:-
a) Any bidder/tenderer with draws hisbid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
6. Instructiontobiddersregardinge-tenderingprocess.
6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the"Downloads"option as wel las from "Bidders Manual Kit"onwebsitewww.jktenders.gov.into acqua intbid submissionprocess.
6.2.To participate in bidding process,bidders have to get 'Digital Signature Certificate(DSC)'asper Information Technology Act-2000. Bidderscan get digital certificate from any approve dvendors.
6.3.ThebiddershavetosubmittheirbidsonlineinelectronicformatwithdigitalSignature.Nofinancialbidwill be accepted in physical form.
6.4.Bids will be opened online as per time schedule mentionedabove.
6.5.Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD withtechnical bid online.
Note:-Scan all the documents on100dpi with black and white option.
7.The department will not be responsible for delayin onlinesubmission due to any reasons.
8.Scanned copy of cost of tender document in shape of e-challan through Treasury indicating TreasuryVoucher No. & date, name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive EngineerPWD(R&B) Division,Udhampur uploading acopyof treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/BidSecurity/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division,Udhampur.
9.Bidders may contact office of the Chief Engineer PW (R&B) Department, Jammu or concerned Executive Engineer for any guidancefor gettingDSC or any other relevant details in respect of e-tendering process.
No:-827-32
Dated:-10-04-2026

Sd/-
Executive Engineer PWD (R&B)Division Udhampur

DIP/J-432/26
Dtd: 11-4-2026

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2026

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी :-

04212/04211 सुलतानपुर - लोकमान्य तिलक (ट) - सुलतानपुर आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 04212		स्टेशन	गाड़ी सं. 04211	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:00	सुलतानपुर	23:00	---
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	14:35

चलने के दिन : **04212** सुलतानपुर से दिनांक **20.05.2026** से **15.07.2026** (प्रत्येक बुधवार) तथा **04211** लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक **21.05.2026** से **16.07.2026** (प्रत्येक गुरुवार) को।
ठहराव : लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पाचोरा जं., चालीसगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य

04226/04225 वाराणसी जं. - लोकमान्य तिलक (ट) - वाराणसी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 16 फेरे

गाड़ी सं. 04226		स्टेशन	गाड़ी सं. 04225	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	01:35	वाराणसी जं.	02:05	---
06:20	06:30	लखनऊ	20:50	21:00
12:20	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	14:35

चलने के दिन : **04226** वाराणसी जं. से दिनांक **21.05.2026** से **09.07.2026** (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04225** लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक **22.05.2026** से **10.07.2026** (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : जौनपुर सिटी, सुलतानपुर, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, पाचोरा जं., चालीसगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य

04070/04069 आनंद विहार (ट) - शेखपुरा - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 52 फेरे

गाड़ी सं. 04070		स्टेशन	गाड़ी सं. 04069	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	00:20	आनंद विहार (ट)	23:20	---
23:30	---	शेखपुरा	---	00:30

चलने के दिन : **04070** आनंद विहार (ट) से दिनांक **17.04.2026** से **14.07.2026** (प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार) तथा **04069** शेखपुरा से दिनांक **18.04.2026** से **15.07.2026** (प्रत्येक शनिवार एवं बुधवार) को।
ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेन्द्र नगर टर्मिनल, बख्तियारपुर जं., बिहार शरीफ जं. एवं अस्थावाँ स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.

04620/04619 फिरोज़पुर कैंट - झंझारपुर - फिरोज़पुर कैंट आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04620		स्टेशन	गाड़ी सं. 04619	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:30	फिरोज़पुर कैंट जं.	10:40	---
23:30	---	झंझारपुर जं.	---	01:00

चलने के दिन : **04620** फिरोज़पुर कैंट जं. से दिनांक **18.04.2026** से **23.05.2026** (प्रत्येक शनिवार) तथा **04619** झंझारपुर जं. से दिनांक **20.04.2026** से **25.05.2026** (प्रत्येक सोमवार) को।
ठहराव : लोहियां खास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंडारी कलां, सरहिंद जं., राजपुरा जं., अम्बाला कैंट जं., बराड़ा, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., रुड़की, नज़ीबाबाद जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहाँपुर जं., सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनियां, सीतामढ़ी जं., शिशो जं. एवं सकरी जं. स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

04064/04063 नई दिल्ली जं. - गया जं. - नई दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 98 फेरे

गाड़ी सं. 04064		स्टेशन	गाड़ी सं. 04063	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	11:00	नई दिल्ली जं.	08:10	---
07:15	---	गया जं.	---	09:15

चलने के दिन : **04064** नई दिल्ली जं. से दिनांक **15.04.2026** से **14.07.2026** (दिनांक 21.05.2026, 23.05.2026 एवं 25.05.2026 को छोड़कर) (सोम, बुध, गुरु, शनि) तथा **04063** गया जं. से दिनांक **16.04.2026** से **15.07.2026** (दिनांक 22.05.2026, 24.05.2026 एवं 26.05.2026 को छोड़कर) (मंगल, गुरु, शुक्र, रवि) को।
ठहराव : टुण्डला, गोविंदपुरी, सूबेदार गंज, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन एवं अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04066/04065 आनंद विहार (ट) - खोरधा रोड - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 04066		स्टेशन	गाड़ी सं. 04065	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	00:30	आनंद विहार (ट)	03:40	---
11:30	---	खोरधा रोड	---	15:30

चलने के दिन : **04066** आनंद विहार (ट) से दिनांक **20.04.26** से **11.05.26** (प्रत्येक सोमवार) तथा **04065** खोरधा रोड से दिनांक **21.04.26** से **12.05.26** (प्रत्येक मंगलवार) को।
ठहराव : गाज़ियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदार गंज, मिर्ज़ापुर, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, आद्रा, बाँकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर, हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड़, कटक एवं भुवनेश्वर स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04185/04186 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - आसनसोल - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 46 फेरे

गाड़ी सं. 04185		स्टेशन	गाड़ी सं. 04186	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	09:20	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	19:10	---
20:45	20:50	वाराणसी जं.	06:35	06:40
14:30	---	आसनसोल	---	17:10

चलने के दिन : **04185** वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से दिनांक **28.06.2026** तक (प्रत्येक रविवार एवं बुधवार) तथा **04186** आसनसोल से दिनांक **29.06.2026** तक (प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार) को।
ठहराव : उरई, पुखरायाँ, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, किऊल जं., झाझा, जसीडीह, मधुपुर जं. एवं चितरंजन स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान, द्वितीय श्रेणी एवं सामान्य

04127/04128 कानपुर सेंट्रल - गुवाहाटी - कानपुर सेंट्रल विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04127		स्टेशन	गाड़ी सं. 04128	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:00	कानपुर सेंट्रल	07:30	---
13:45	13:50	वाराणसी जं.	23:05	23:15
19:00	---	गुवाहाटी	---	22:00

चलने के दिन : **04127** कानपुर सेंट्रल से दिनांक **16.04.2026** से **14.05.2026** तक (प्रत्येक गुरुवार) तथा **04128** गुवाहाटी से दिनांक **17.04.2026** से **15.05.2026** तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : फतेहपुर, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी, नवगछिया, कटिहार, बारसोई जं., किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बंगाईगाँव, बरपेटा रोड, रंगिया एवं कामाख्या स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

01491/01492 पुणे जं. - ह. निज़ामुद्दीन - पुणे जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 22 फेरे

गाड़ी सं. 01491		स्टेशन	गाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	17:30	पुणे जं.	23:55	---
18:30	---	ह. निज़ामुद्दीन	---	21:25

चलने के दिन : **01491** पुणे जं. से दिनांक **17.04.2026** से **10.07.2026** (दिनांक 22.05.2026 को छोड़कर) प्रत्येक शुक्रवार तथा **01492** ह. निज़ामुद्दीन से दिनांक **18.04.2026** से **11.07.2026** (दिनांक 23.05.2026 को छोड़कर) प्रत्येक शनिवार को।
ठहराव : लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर एवं मथुरा स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

09523/09524 ओखा - शकूर बस्ती - ओखा सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 09523		स्टेशन	गाड़ी सं. 09524	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:20	ओखा	13:00	---
10:35	---	शकूर बस्ती	---	13:15

चलने के दिन : **09523** ओखा से दिनांक **14.04.26** से **30.06.26** (प्रत्येक मंगलवार) तथा **09524** शकूर बस्ती से दिनांक **15.04.26** से **01.07.26** (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट जं., वांकानेर, सुरेन्द्रनगर, विरामगाम जं., महेसाना जं., ऊंझा, सिद्धपुर, पालनपुर ज., आबू रोड, फालना, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बाँदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

04086/04085 मेरठ सिटी जं. - संतरागाछी जं. - मेरठ सिटी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 04086		स्टेशन	गाड़ी सं. 04085	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:00	मेरठ सिटी जं.	17:30	---
06:35	---	संतरागाछी जं.	---	14:00

चलने के दिन : **04086** मेरठ सिटी जं. से दिनांक **14.04.2026** तथा **04085** संतरागाछी से दिनांक **16.04.2026** को।
ठहराव : हापुड़ जं., खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमोह, महुदा जं., भोजूडीह जं., आद्रा, बांकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर, खड़गपुर एवं पाँशकुड़ा जं. स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04679/04680 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा आरक्षित विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 04679		स्टेशन	गाड़ी सं. 04680	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:05	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	19:00	---
13:35	---	श्रीनगर	---	15:10

चलने के दिन : **04679** श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा तथा **04680** श्रीनगर से प्रतिदिन दिनांक **15.04.2026** तक।
ठहराव : रियासी, संगलदान एवं बनिहाल स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

05048/05047 बनारस - कोलकाता - बनारस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 06 फेरे

गाड़ी सं. 05048		स्टेशन	गाड़ी सं. 05047	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:45	बनारस	04:15	---
10:55	11:00	वाराणसी जं.	03:45	03:50
06:15	---	कोलकाता	---	08:25

चलने के दिन : **05048** बनारस से दिनांक **14.04.2026** से **28.04.2026** (प्रत्येक मंगलवार) तथा **05047** कोलकाता से दिनांक **15.04.2026** से **29.04.2026** (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : वाराणसी, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, रेवती, सुरेमनपुर, छपरा, दिघवारा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान, बैण्डेल एवं नैहाटी स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी

09195/09196 प्रतापनगर - मऊ जं. - प्रतापनगर सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 31 फेरे

गाड़ी सं. 09195		स्टेशन	गाड़ी सं. 09196	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	16:00	प्रतापनगर	03:15	---
15:40	15:45	वाराणसी जं.	02:15	02:20
18:00	---	मऊ जं.	---	23:25

चलने के दिन : **09195** प्रतापनगर से दिनांक **25.07.26** तक (प्रत्येक शनिवार) तथा **09196** मऊ जं. से दिनांक **12.04.26** से **26.07.26** (प्रत्येक रविवार) को।
ठहराव : वडोदरा जं., गोधरा, दाहोद, रतलाम जं., कोटा जं., गंगापुर सिटी, बयाना जं., रूपबास, आगरा कैंट, फतेहाबाद, बाह, इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी एवं औंड़िहार जं.।
स्थान : प्रथम वाता, 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

09271/09272 भावनगर (ट) - हरिद्वार - भावनगर (ट) विशेष रेलगाड़ी विशेष किराये पर (साप्ताहिक) — 16 फेरे

गाड़ी सं. 09271		स्टेशन	गाड़ी सं. 09272	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:25	भावनगर (ट)	04:35	---
15:00	---	हरिद्वार	---	16:25

चलने के दिन : **09271** भावनगर (ट) से दिनांक **12.04.26** से **31.05.26** (प्रत्येक रविवार) तथा **09272** हरिद्वार से दिनांक **13.04.26** से **01.06.26** तक (प्रत्येक सोमवार) को।
ठहराव : सिहोर गुजरात, धोला जं., बोटाद जं., सुरेन्द्रनगर गेट, वीरमगाम जं., अम्बली रोड, गांधीनगर कैपिटल, महेसाना जं., पालनपुर जं., आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़, लूनी जं., जोधपुर जं., गोटन, मेड़ता रोड जं., डेगाना जं., छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़ जं., चूरू, सादुलपुर जं., सिवानी, हिसार, भिवानी जं., कलानौर कलां, रोहतक जं., पानीपत जं., अंबाला कैंट जं., सहारनपुर जं. एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

डिजिटल शासन की ओर किया बदलाव भी भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में नाकाम

यह बेहद चिंता का विषय है कि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश, दोनों जगहों पर सत्ता में बैठे लोगों के भ्रष्टाचार के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, जम्मू-कश्मीर में यह बुराई दिन-ब-दिन अपने पैर पसारती जा रही है। जो लोग इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार की रोज़ाना की रिपोर्ट पर नज़र रखते हैं, वे ज़रूर जानते होंगे कि यह सामाजिक बुराई एक बेहद परेशान करने वाली और लगातार बनी रहने वाली समस्या के रूप में उभरी है, जिसने शासन-प्रशासन पर लोगों के भरोसे को कमज़ोर किया है और कानून के राज को चोट पहुँचाई है।

इस तथ्य के बावजूद कि रिश्वत देना और लेना, दोनों ही गैर-कानूनी हैं, सरकारी कर्मचारियों के रंगे हाथों पकड़े जाने की घटनाएँ लगभग रोज़ ही सामने आती रहती हैं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन सच है कि जम्मू-कश्मीर के प्रशासन में, अपना काम निकलवाने के लिए—अक्सर अपनी बारी से पहले और बिना ज्यादा योग्यता के—महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों की मुट्ठी गर्म करने (रिश्वत देने) का यह अनैतिक चलन अब एक आम बात बन गया है। इस संदर्भ में, पिछले दो-तीन दिनों की घटनाओं पर ही नज़र डालें।

अनंतनाग ज़िले के लारनू पुलिस स्टेशन में तैनात एक SPO (विशेष पुलिस अधिकारी) को एक शिकायतकर्ता से 18,000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। शिकायतकर्ता को यह रकम इसलिए देनी पड़ी थी, ताकि उसे अपने वाहन के वे दस्तावेज़ वापस मिल सकें जिन्हें उसी पुलिस स्टेशन की एक टीम ने ज़ब्त कर लिया था। ACB (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने इस मामले में एक सफल जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ा।

इसी तरह, कुछ दिन पहले, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले के अवंतीपोरा इलाके में जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग के एक मैकेनिकल इंजीनियर को कथित तौर पर 12,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

यह कार्रवाई एक शिकायत मिलने के बाद की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उक्त अधिकारी ने अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन करने के बदले में गैर-कानूनी तौर पर पैसे (रिश्वत) की मांग की थी; इसी शिकायत के आधार पर ACB ने जाल बिछाने का फैसला किया। बताया गया कि उक्त अधिशासी अभियंता को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। निस्संदेह, इस तरह की कार्रवाइयों की रिपोर्टें यह पुष्टि करती हैं कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और सार्वजनिक सेवाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ACB द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं; लेकिन मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए किए जा रहे उपाय अभी भी अपर्याप्त हैं और इस दिशा में अभी और भी बहुत कुछ किए जाने की ज़रूरत है। भ्रष्टाचार का यह मुद्दा अब एक विकराल रूप धारण कर चुका है; स्थिति इतनी ज़्यादा बिगड़ चुकी है कि अब भ्रष्टाचार-विरोधी एजेंसियों के लिए सरकारी दफ़्तरों और यहाँ तक कि सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए रखना ज़रूरी प्रतीत होता है। यहाँ तक कि ऑनलाइन प्रणालियों और डिजिटल शासन की ओर किया गया बदलाव भी भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में अब तक नाकाम साबित हुआ है। इसलिए, संबंधित अधिकारियों के लिए यह आवश्यक है कि वे कमर कस लें और ऐसे तरीके खोजें जिनसे यह सुनिश्चित हो सके कि पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्रीय स्थान मिले, और भ्रष्टाचार के पनपने के लिए कोई गुंजाइश न बचे।

भविष्य का अमृत ईंधन है 'थोरियम'

– डॉ. नुपूर निखिल देशकर

तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्र से हाल ही में प्राप्त एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ने भारत की ऊर्जा यात्रा को नई दिशा दी है। वैज्ञानिकों ने परमाणु अभिक्रिया की संतुलित अवस्था, जिसे 'क्रिटिकैलिटी' कहा जाता है, सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली है।

यह उपलब्धि एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता के साथ भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता के सपने की ओर एक ठोस कदम है। इस परिप्रेक्ष्य में थोरियम एक ऐसे भविष्य के अमृत ईंधन के रूप में उभर रहा है, जिसे लेकर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में ऊर्जा क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी।

थोरियम की सबसे बड़ी विशेषता उसका अत्यधिक ऊर्जा घनत्व है। सामान्यत: यह माना जाता है कि एक टन थोरियम से उतनी ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जितनी लगभग 35 लाख टन कोयले से मिलती है। यह तुलना न केवल थोरियम की क्षमता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि यदि इसका प्रभावी उपयोग किया जाए तो ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान संभव है।

भारत की भौगोलिक संरचना इसे थोरियम के मामले में विशेष रूप से समृद्ध बनाती है। विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल के अलप्पुझा और कोल्लम तट, तमिलनाडु के कन्याकुमारी और मनावलकुरिची, ओडिशा के चांदीपुर तट तथा आंध्र प्रदेश के कुछ तटीय क्षेत्रों में मोनाज़ाइट रेत के रूप में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह संसाधन भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में भी ला सकता है। अनुमान है कि यह भंडार हजारों वर्षों तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

थोरियम की इस अपार संभावना को भारत ने बहुत पहले पहचान लिया था। वर्ष 1950 में महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में दूरदर्शिता दिखाई। उन्होंने यह समझ लिया था कि भारत में यूरेनियम की सीमित उपलब्धता के कारण थोरियम ही भविष्य का विकल्प बन सकता है। हालांकि, थोरियम का सीधा उपयोग संभव नहीं है; इसे पहले यूरेनियम-233 में परिवर्तित करना पड़ता है, जो एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए डॉ. भाभा ने भारत के लिए त्रि-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की परिकल्पना की।

इस कार्यक्रम के पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में इस प्लूटोनियम की सहायता से थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाता है। तीसरे और अंतिम चरण में इस परिवर्तित ईंधन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। यह एक दीर्घकालिक और वैज्ञानिक रूप से जटिल योजना थी, लेकिन इसकी सफलता भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है।

थोरियम का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह एक रेडियोधर्मी धातु है जिसका उपयोग रेडियोमेट्रिक डेटिंग में किया जाता है, जिससे चट्टानों और जीवाश्मों की आयु का निर्धारण संभव होता है। इसके अलावा, मैग्नीशियम के साथ मिश्रधातु के रूप में इसका उपयोग उच्च ताप सहनशील और मजबूत सामग्री बनाने में होता है, जो विमानन और उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को अपने प्रारंभिक वर्षों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। प्रशासनिक उदासीनता, संसाधनों की कमी और 1974 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने इसकी गति को धीमा कर दिया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक सहयोग की कमी के कारण भी यह कार्यक्रम अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में एक और गंभीर समस्या सामने आई थोरियम की तस्करी और अवैध खनन। 2004 के बाद से समुद्री तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मोनाज़ाइट रेत के गायब होने की घटनाएं सामने आईं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लाखों टन सामग्री अवैध रूप से विदेशों, विशेषकर चीन, को भेजी गई। यदि ये आरोप सत्य हैं, तो यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में एक और गंभीर समस्या सामने आई थोरियम की तस्करी और अवैध खनन। 2004 के बाद से समुद्री तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मोनाज़ाइट रेत के गायब होने की घटनाएं सामने आईं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लाखों टन सामग्री अवैध रूप से विदेशों, विशेषकर चीन, को भेजी गई। यदि ये आरोप सत्य हैं, तो यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

वर्तमान समय में भारत सरकार ने इस दिशा में नए सिरे से प्रयास शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में थोरियम आधारित ऊर्जा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जा रही है। डॉ. भाभा का जो सपना दशकों पहले अधूरा रह गया था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है। भारत के पास विश्व के लगभग 25 फीसद थोरियम भंडार हैं, जो इसे इस क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बना सकते हैं।

सरकार ने स्वदेशी तकनीकों के विकास पर जोर देते हुए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत भारी जल रिएक्टर जैसी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है। इन रिएक्टरों का उद्देश्य थोरियम के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नीतिगत सुधार और निवेश में वृद्धि ने इस क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब थोरियम एक स्वच्छ, सुरक्षित और दीर्घकालिक विकल्प के रूप में सामने आया है। थोरियम आधारित ऊर्जा उत्पादन में रेडियोधर्मी कचरा अपेक्षाकृत कम होता है और इसकी सुरक्षा भी अधिक होती है। यही कारण है कि इसे भविष्य का गेम-चेंजर ईंधन कहा जा रहा है।

अत- यह कहा जा सकता है कि थोरियम न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि यह देश को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान भी दिला सकता है। आवश्यकता है तो केवल दूरदर्शिता, पारदर्शिता और सतत प्रयासों की। यदि भारत अपने इस प्राकृतिक संसाधन का सही दिशा में उपयोग करता है, तो वह न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विश्व को भी स्वच्छ और सतत ऊर्जा का मार्ग दिखा सकेगा।

(लेखिका प्राध्यापिका एवं स्तम्भकार हैं)

वैश्विक संकटों के बीच विश्व बैंक अकेला नहीं जो भारत की गाथा कह रहा

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस समय पश्चिम एशिया में संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं, पर इन सबके बीच भारत का प्रदर्शन आश्चर्यजनक रूप से संतुलित और सुदृढ़ दिखाई देता है। विश्व बैंक से लेकर तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आश्वस्त कर रही हैं कि भारत जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था और भविष्य की दृष्टि से हर चुनौती के लिए तैयार दिख रहा है, वह काबिले तारीफ है।

वस्तुत- वर्ल्ड बैंक द्वारा 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.6 प्रतिशत तक बढ़ाना इस बात का प्रमाण है कि भारत हर परिस्थिति पर नियंत्रित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। यहां समझनेवाली बात है कि यह इतना आसान भी नहीं है, जितना कि बाहर से किसी को दिखाई दे, क्योंकि महंगाई, ऊर्जा लागत और वैश्विक अस्थिरता जैसे खतरे सामने खड़े हैं। ऐसे मे यदि हम वर्ल्ड बैंक के अतिरिक्त अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमानों पर दृष्टि डालें, तब एक समान संदेश सामने आता है, वह है कि भारत स्थिर है, सक्षम है और आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भी 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इसका मानना है कि भारत की आर्थिक संरचना इतनी मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को सहजता से झेल सकती है, क्योंकि इसकी रीढ़ घरेलू मांग है, न कि केवल निर्यात। इसी प्रकार एशियन डेवलपमेंट बैंक ने 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाते हुए स्पष्ट किया है कि भारत का बुनियादी ढांचा निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में सुधार इसे 2026 में पूरे वर्ष भर वैश्विक संकटों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यही विचार ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के भी हैं, जोकि भारत की वृद्धि को 6.6 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत के बीच मानता है और यह रेखांकित करता है कि भारत की कर प्रणाली, श्रम सुधार और निर्यात रणनीति इसे अन्य अर्थव्यवस्थाओं से अलग बनाती है।

अब बात यहां मूडीज़ के साथ स्टैंडर्ड एंड पुअर्स और फिच रेटिंग्स जैसी रेटिंग एजेंसियों की भी कर लेते हैं, यह भी भारत के संदर्भ में लगभग 6.4 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि का अनुमान देती हैं। इन संस्थाओं का एकमत विश्वास इस तथ्य को पुष्ट करता है कि भारत आज के समय में सिर्फ संभावनाओं की अर्थव्यवस्था से कहीं आगे होकर अपना प्रदर्शन कर रहा है।

भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार उसकी घरेलू मांग है। जब वैश्विक बाजारों में मांग घटती है, तब भी भारत के भीतर उपभोग का स्तर अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। यह एक ऐसी विशेषता है जो बहुत कम देशों में देखने को मिलती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में संभावित कटौती, सरकारी योजनाओं के माध्यम से आय में वृद्धि और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति ने उपभोग को निरंतर बनाए रखा है। यही कारण है कि वैश्विक मंदी का प्रभाव भारत पर सीमित रहता है। वहीं, भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में किया जा रहा निवेश आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल नेटवर्क इन सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पूंजीगत व्यय किया जा रहा है।

यह निवेश वर्तमान विकास को सतत बढ़ा रहा है, बल्कि यह भी कह सकते हैं कि यह भविष्य के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करता है। क्योंकि जब निजी निवेश अनिश्चितता के कारण धीमा पड़ता है तब सरकारी निवेश अर्थव्यवस्था को गति देने का कार्य करता है।

डिजिटल क्रांति और ऊर्जा बनी नई अर्थव्यवस्था की पहचान

भारत की डिजिटल क्रांति इन दिनों आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा दे रही है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), आधार और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी प्रणालियों ने आर्थिक लेन-देन को सरल और तेज बना दिया है। छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक, डिजिटल तकनीक ने सभी को सशक्त बनाया है। यह परिवर्तन भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।

इसके अलावा एक कारण देश में ऊर्जा की पर्याप्तता भी है। दरअसल, पश्चिम एशिया के संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर दिया है।

तेल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई है।ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, रणनीतिक भंडार का निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर, विंड) की ओर तेजी से बढ़ते कदम, वस्तुत- ये सभी प्रयास भारत को इस संकट से बचाने में सहायक सिद्ध हुए हैं।

मुद्रास्फीति और संतुलन की नीति

यहां कहना यह भी होगा कि वर्तमान में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए संतुलित मौद्रिक नीति अपनाई है। जहां एक ओर ब्याज दरों के माध्यम से मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विकास की गति को भी प्रभावित नहीं होने दिया जा रहा। सरकार द्वारा लक्षित सब्सिडी प्रदान करना और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

इन्हीं तथ्यों को ओर बेहतर तरीके से पुस्तक द इंडिया वे में एस. जयशंकर और गहराई से स्पष्ट करते हैं, उनका कहना है कि भारत की नीति 卐रणनीतिक स्वायत्तता卐 पर आधारित है, यानी कि भारत अपने निर्णय स्वयं लेता है और वैश्विक दबावों के अनुसार अपनी दिशा नहीं बदलता।

इंडिया सीक्स टू शेप ग्लोबल आउटकम्स, नॉट जस्ट रिएक्ट टू देम। इसी प्रकार इंडिया अनबाउंड के लेखक गुरचरण दास इस बात को रेखांकित करते हैं कि आर्थिक सुधारों ने भारत को लचीला और आत्मनिर्भर बनाया है।इकोनॉमिक फ्रीडम हैज़ अनलीश्ड इंडियाज़ एंटरप्रेन्योरियल एनर्जी।

निश्चित तौर पर यह विचार भारत की वर्तमान आर्थिक नीतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

इसके साथ ही भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा जनसंख्या बनकर उभरी है। एक विशाल कार्यबल न सिर्फ उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है, यह नवाचार और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित करता है। वस्तुत- जब दुनिया के कई विकसित देश वृद्धावस्था की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत की युवा ऊर्जा उसे निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

कुल मिलाकर कहना यही है कि वर्ष 2026 का वैश्विक परिदृश्य भले ही आज तमाम चुनौतियों से भरा हुआ है, किंतु भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नीतियां, संतुलित दृष्टिकोण और दीर्घकालिक योजनाएं किसी भी संकट को अवसर में बदल सकती हैं। आज यह 6.4 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि दर भारत की आर्थिक क्षमता, नीति-निर्माण की दक्षता और जनता की ऊर्जा का प्रतीक बनकर हमारे सामने है।

सबरीमाला मंदिर पुनर्विचार में आस्था और परंपरा का ध्यान रखना जरूरी है

डॉ. निवेदिता शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2018 के सबरीमला निर्णय पर पुनर्विचार की प्रक्रिया को लेकर आज हमने यह माल लिया है कि यह भारत की सभ्यतागत चेतना, उसकी आध्यात्मिक परंपराओं और आधुनिक संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर प्रयास है।

सबरीमाला मंदिर विवाद का मूल प्रश्न महिलाओं के प्रवेश से जुड़ा अवश्य है, किंतु इसकी गहराई इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह उस बिंदु को छूता है जहां भारतीय सभ्यता की हजारों वर्षों से चली आ रही जीवंत परंपराएं आधुनिक न्यायशास्त्र के साथ संवाद करती हैं।

इससे पूर्व 2018 में दिए गए 4-1 बहुमत के निर्णय ने 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी परंपरागत रोक को समाप्त कर दिया था।

इसे एक वर्ग ने लैंगिक समानता की जीत के रूप में प्रस्तुत किया, किंतु इस निर्णय का विरोध हुआ, यहां समझनेवाली बात यह है कि इसे लेकर पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी सामने आईं, जिन्होंने इस न्यायालयीन निर्णय का विरोध किया । सभी को समझना होगा कि सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा को नैष्ठिक ब्रह्मचारी के रूप में पूजा जाता है। यह एक विशिष्ट आध्यात्मिक अनुशासन का प्रतीक है।

भारतीय परंपरा में देवता का स्वरूप ही उपासना की पद्धति को निर्धारित करता है। ऐसे में यदि उस स्वरूप से जुड़ी परंपराओं में परिवर्तन किया जाता है, तब वह सिर्फ सामाजिक सुधार नहीं होता है, उस देवता की अवधारणा में हस्तक्षेप के समान हो जाता है। यही कारण है कि अनेक श्रद्धालु इस मामले को समानता बनाम भेदभाव के सरल द्वंद्व के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे आस्था की अखंडता के प्रश्न के रूप में समझते हैं।

इस विवाद का एक महत्वपूर्ण आयाम न्यायपालिका की बढ़ती भूमिका है, विशेषकर धार्मिक मामलों में। 卐अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं卐 का सिद्धांत, जो शिरूर मठ मामले में विकसित हुआ था, प्रारंभ में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था, किंतु समय के साथ यह सिद्धांत न्यायालयों को यह निर्धारित करने का अधिकार देने लगा है कि किसी धर्म की मूलभूत प्रथाएं कौन-सी हैं। यह परिवर्तन चिंताजनक है, क्योंकि इससे न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करने लगती है, जो मूलत: धर्मशास्त्रीय और आध्यात्मिक हैं।

याचिकाकर्ताओं का यह तर्क महत्वपूर्ण है कि न्यायाधीश, चाहे कितने ही विद्वान क्यों न हों, वे सदियों पुरानी परंपराओं की आध्यात्मिक गहराई का पूर्ण आकलन नहीं कर सकते। यदि न्यायालय यह तय करने लगें कि कौन-सी प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तो वे आस्था के निर्णायक बन जाते हैं। यह धार्मिक स्वायत्तता के सिद्धांत के विपरीत है, जोकि भारतीय संविधान की आत्मा में निहित है।

इस पूरे विवाद के केंद्र में एक और गहरी समस्या है, पाश्चात्य कानूनी ढांचे और भारतीय सभ्यतागत वास्तविकताओं के बीच असंगति का होना। पश्चिमी विचारधारा में धर्म को प्राय: एक संगठित, केंद्रीकृत संस्था के रूप में देखा जाता है, जहां नियम स्पष्ट और संहिताबद्ध होते हैं

उनके लिए ये धर्म सिर्फ एक रिलीजन है। ऐसे में रिलीजन के अर्थ में धर्म बहुत सीमित हो जाता है, इसके विपरीत भारत में धर्म जीवन का समग्र दर्शन है, जोकि विविधता, बहुलता और संदर्भानुकूलता पर आधारित है। यहां परंपराएं स्थानीय, जीवंत और निरंतर विकसित होती रहती हैं।

ऐसी स्थिति में यदि पश्चिमी उदारवादी अवधारणाओं, जैसे कि व्यक्तिगत अधिकारों की पूर्ण प्राथमिकता को भारतीय संदर्भ में बिना समुचित अनुकूलन के लागू किया जाता है तो यह स्वाभाविक रूप से टकराव उत्पन्न करता है। सबरीमाला मंदिर का निर्णय इसी टकराव का एक उदाहरण माना जा सकता है, जहां व्यक्तिगत अधिकारों को सामूहिक आध्यात्मिक परंपराओं के ऊपर प्राथमिकता दी गई।

न्यायालय को आज यह भी ध्यान देना चाहिए कि सबरीमला आंदोलन का एक उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि इसमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। यह तथ्य उस धारणा को चुनौती देता है कि यह संघर्ष केवल महिलाओं के अधिकारों के विरुद्ध था। अनेक महिलाएं स्वयं इस परंपरा के पक्ष में खड़ी हुईं, क्योंकि वे इसे भेदभाव नहीं, बल्कि एक विशेष आध्यात्मिक अनुशासन का हिस्सा मानती हैं।

इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में आस्था और पहचान के प्रश्न केवल अधिकारों की भाषा में नहीं समझे जा सकते हैं।

पुनर्विचार याचिकाओं में धार्मिक स्वायत्तता की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। धार्मिक संगठनों का तर्क है कि भारतीय धर्मों को अब तक स्पष्ट कानूनी पहचान नहीं मिली है, जिसके कारण वे अपने अधिकारों की प्रभावी रक्षा नहीं कर पाते। इस स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप बढ़ जाता है, जोकि धार्मिक स्वतंत्रता के लिए चुनौती बन सकता है। इस संदर्भ में यह सुझाव भी महत्वपूर्ण है कि न्यायालयों को धार्मिक मामलों में विशेषज्ञों और धर्माचार्यों से परामर्श करना चाहिए। जैसे तकनीकी मामलों में विशेषज्ञों की राय ली जाती है, वैसे ही धर्म से जुड़े मामलों में भी संबंधित परंपराओं के ज्ञाताओं की सहभागिता आवश्यक है। यह दृष्टिकोण न्यायिक प्रक्रिया को अधिक संतुलित और संवेदनशील बना सकता है।

केरल सरकार के रुख में आया परिवर्तन भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। पहले जहां उसने 2018 के निर्णय का समर्थन किया था, वहीं अब उसने यह स्वीकार किया है कि दीर्घकालिक परंपराओं पर निर्णय लेने से पहले धार्मिक विद्वानों से परामर्श आवश्यक है। यह बदलाव इस तथ्य को रेखांकित करता है कि आस्था से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों के माध्यम से हल नहीं किए जा सकते। 卐संवैधानिक नैतिकता卐 बनाम 卐सामाजिक नैतिकता卐 का विमर्श भी इस विवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संवैधानिक नैतिकता हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों की ओर उन्मुख करती है, किंतु इसका प्रयोग सावधानीपूर्वक होना चाहिए। यदि इसे इस प्रकार उपयोग किया जाए कि वह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी तरह नकार दे, तो यह एक प्रकार की न्यायिक अतिरेकता बन सकती है। वहीं, 卐सामाजिक नैतिकता卐 का हवाला देकर हर परंपरा को बिना जांच के स्वीकार करना भी उचित नहीं है।

अत: आवश्यकता इस बात की है कि इन दोनों के बीच एक संतुलन स्थापित किया जाए। न्यायालय को यह समझना होगा कि भारतीय समाज में धर्म केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं, बल्कि सामूहिक पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता का आधार है।

इस पूरे विवाद के केंद्र में एक और गहरी समस्या है, पाश्चात्य कानूनी ढांचे और भारतीय सभ्यतागत वास्तविकताओं के बीच असंगति का होना। पश्चिमी विचारधारा में धर्म को प्राय: एक संगठित, केंद्रीकृत संस्था के रूप में देखा जाता है, जहां नियम स्पष्ट और संहिताबद्ध होते हैं

सबरीमाला प्रकरण में प्रस्तुत उदाहरण जैसे कुछ मंदिरों में पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित होना या विशेष परिस्थितियों में ही अनुमति मिलना यह दर्शाते हैं कि भारतीय धार्मिक परंपराएं अत्यंत विविध और विशिष्ट हैं। इन्हें एक समान मानक से नहीं परखा जा सकता। प्रत्येक परंपरा का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संदर्भ होता है।

सीडब्ल्यूजी 2030 के लिए भारत तैयार, खेल मंत्री मांडविया ने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट प्रमुख से की अहम बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। । खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कॉमन वेल्थ स्पोर्ट्स के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के दौरान खेल मंत्री ने कहा कि भारत खेल जगत का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है और कॉमनवेल्थ के 100 वर्ष पूरे होने का यह अवसर यादगार बनाया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल का भारत को मेजबान चुनने के लिए आभार भी व्यक्त किया। मांडविया ने भारत की खेल नीतियों और पहलों पर प्रकाश डालते हुए खेलो इंडिया गेम्स के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके तहत विभिन्न खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए अस्मिता लीग और जनजातीय क्षेत्रों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिताएं भी शामिल हैं।कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष रुकारे ने नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि भारत में खेलों को राष्ट्रीय विकास के अहम स्तंभ के रूप में स्थापित किया गया है। बैठक में आयोजन की तैयारियों, समन्वय और समयसीमा पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भविष्य की कार्ययोजना और प्रमुख लक्ष्यों पर सहमति जताई, ताकि खेलों का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

आईपीएल 2026 : हसरंगा की जगह लखनऊ में शामिल हुए जॉर्ज लिंडे

लखनऊ। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच बड़ा बदलाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को टीम में शामिल किया है। वह श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे, जो चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हसरंगा को एलएसजी ने इस सीजन की नीलामी में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन टी20 विश्व कप 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगने के कारण वह आईपीएल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। लखनऊ ने उनकी जगह जॉर्ज लिंडे को 01 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है। यह लिंडे का आईपीएल में पहला मौका होगा, जहां वह अपनी ऑलराउंड क्षमता से टीम को मजबूती देने की कोशिश करेंगे लिंडे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के साथ-साथ स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह दक्षिण अफ्रीका के लिए 3 टेस्ट, 4 वनडे और 37 टी20 मुकाबले खेल चुके हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 400 से अधिक रन बनाए हैं और 35 विकेट भी अपने नाम किए हैं।

इटावा में आधुनिक शूटिंग रेंज का उद्घाटन, खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

इटावा। इटावा स्थित एमनीव विज़न स्कूल में अत्याधुनिक शूटिंग रेंज का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद और अंतरराष्ट्रीय शूटर श्याम सिंह यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक और गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने विधिवत रूप से शूटिंग रेंज का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में श्याम सिंह यादव ने कहा कि शूटिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि एकाग्रता, अनुशासन और धैर्य का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इस तरह की आधुनिक सुविधाएं युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने में मदद करेंगी। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय शूटर चंद्रमोहन तिवारी, समाजसेवी अनिल यादव, किशन यादव, राजीव यादव, वरिष्ठ खेल पत्रकार रणवीर सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से वाइस चेयरमैन डॉ. विकास यादव और मैनेजिंग डायरेक्टर सलिल यादव भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जम्मू मंडल और मुरादाबाद मंडल की टीमों ने जीते सेमीफाइनल मैच

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल के तत्वावधान में रेलवे स्टेडियम में खेली जा रही अंतरमंडलीय रेलवे सुरक्षा बल क्रिकेट प्रतियोगिता में पहला सेमीफाइनल मैच रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला व जम्मू रेल मंडल की टीम के बीच खेला गया। दूसरा सेमीफाइनल दिल्ली रेल मंडल व मुरादाबाद रेल मंडल के बीच हुआ। जिसमें क्रमशः जम्मू रेल मंडल और मुरादाबाद रेल मंडल की टीम ने जीत हासिल की। पहले सेमीफाइनल में जम्मू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निश्चय किया। जम्मू द्वारा पहले खेलते हुए 01 विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाये जिसके जवाब में रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला ने अपने 20 ओवर में 08 विकेट के नुकसान पर केवल 181 रन ही बना सकी। इस प्रकार जम्मू मंडल यह मैच 19 रन से जीत गया। इस मैच के मैन ऑफ़ दा मैच प्रदीप भाटी रहे जिन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 105 रन बनाये व गेंदबाजी करते हुए 04 ओवर में 02 विकेट लिया। दूसरा सेमीफाइनल मैच दिल्ली रेल मंडल व मुरादाबाद रेल मंडल के बीच हुआ। इस मैच का उद्घाटन मोहम्मद असलम, सहायक सुरक्षा आयुक्त मुरादाबाद द्वारा किया गया। उक्त मैच में दिल्ली द्वारा टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 07 विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाए। जिसके जवाब में मुरादाबाद द्वारा भी अपने निर्धारित 20 ओवर में 02 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाकर 08 विकेट से जीत लिया।

गुवाहाटी में रजवाड़ों की ललकार : राजस्थान रॉयल्स की लगातार चौथी जीत

एजेंसी

गुवाहाटी। बरसापारा स्टेडियम की दूधिया रोशनी में आज क्रिकेट का वह रोमांच देखने को मिला, जो लंबे समय तक फैंस के जेहन में रहेगा। ऐसा लग रहा था मानो राजस्थान रॉयल्स की टीम मैदान पर जीत की भूख के साथ उतरी है। बेंगलुरु के 202 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने न केवल साहस दिखाया, बल्कि अपनी लगातार चौथी जीत की इबारत भी लिख दी। मैच के नायक बने युवा वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्कों की ऐसी बरसात की कि बेंगलुरु के गेंदबाज असहाय नजर आए। इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए वैभव ने महज 26 गेंदों पर 78 रनों की आतिशी पारी खेलकर राजस्थान की जीत की नींव रख दी। उनके बल्ले से निकले हर शॉट में आत्मविश्वास और प्रतिभा की झलक थी। जब कप्तान रियान

पराग और हेटमायर जल्दी आउट होकर लौटे, तो लगा कि मैच हाथ से फिसल सकता है। लेकिन ध्रुव जुरेल ने एक छोर थामे रखा। जुरेल की शानदार फिफ्टी ने न केवल स्कोरबोर्ड को गति दी, बल्कि अनुभवी रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर राजस्थान को जीत की दहलीज पर ला खड़ा किया। अब जीत के लिए महज 24 गेंदों पर 18 रनों की दरकार है और जुरेल की बल्लेबाजी देख फैंस का जोश चरम पर है। इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी राजस्थान के गेंदबाजों ने भी अपना दमखम दिखाया। जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई और बृजेश शर्मा ने 2-2 विकेट लेकर ऋषभ की रफ्तार पर अंकुश लगाया। हालांकि रजत पाटीदार (63) और विराट कोहली (32) ने ऋषभ को 201 के स्कोर तक पहुँचाया, लेकिन राजस्थान के लड़ाकों के सामने यह लक्ष्य भी बौना साबित होता दिख रहा है। गुवाहाटी का यह मैदान आज राजस्थान रॉयल्स के अटूट विश्वास और सामूहिक प्रयास का गवाह बन रहा है। राजस्थान अब अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज करने के बेहद करीब है।

प्रीमियर लीग: वेस्ट हैम की जीत से टॉटेनहम रेलीगेशन क्षेत्र में, दे ज़ेर्बी को बचाव की उम्मीद

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड ने वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 4-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद टॉटेनहम हॉटस्पर पहली बार इस सत्र में रेलीगेशन क्षेत्र में पहुंच गया है। टॉटेनहम अब वेस्ट हैम से दो अंक पीछे है और उसका अगला मुकाबला रविवार को सुंदरलैंड से होगा।

वेस्ट हैम की ओर से वैलेंटीन कास्टेलानोस ने दूसरे हाफ के मध्य में तीन मिनट के भीतर दो गोल दागे, जबकि हाफ टाइम से ठीक पहले कॉन्स्टैन्टिनोस माव्रोपानोस ने हेडर से टीम को बढ़त दिलाई थी। मैच के अंतिम चरण में कॉर्नर से आए मौके पर एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा गया। इस हार के साथ वूल्व्स अंक तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं और उनके निचली लीग में जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है।

टॉटेनहम के नए प्रबंधक रॉबर्टो दे ज़ेर्बी ने कहा कि उनकी टीम को रेलीगेशन से बचने के लिए साहस और आत्मविश्वास के साथ खेलना होगा। उन्होंने खिलाड़ियों से साफ रणनीति के साथ मैदान पर उतरने और बिना ज्यादा दबाव लिए अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की अपील की। दे ज़ेर्बी ने कहा कि टीम को लड़ने का जज्बा, साहस और आक्रामकता दिखानी होगी।

सब-जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप: फाइनल में मध्य प्रदेश की दोहरी दावेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजगीर, बिहार में चल रही सोलहवीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। बारह अप्रैल को होने वाले फाइनल मुकाबलों के लिए मंच तैयार है। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा, जबकि महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश की टक्कर गत विजेता हॉकी झारखंड से होगी। पुरुष वर्ग में दोनों टीमें अब तक अपराजित रही हैं। सेमीफाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी को चार-दो से हराया, जबकि उत्तर प्रदेश हॉकी ने पिछले साल की विजेता हॉकी पंजाब को छह-दो से मात दी। यह मुकाबला पिछले वर्ष के तीसरे स्थान के मुकाबले की पुनरावृत्ति भी है, जिसमें उत्तर प्रदेश विजयी रहा था।

उत्तर प्रदेश हॉकी के शाहरुख अली इस प्रतियोगिता में चौदह गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि नीतीश यादव ने सात गोल दागे हैं, जिनमें सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। वहीं दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रमुख

खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। गत विजेता हॉकी झारखंड ने सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी को दो-शून्य से हराया, जबकि हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी ओडिशा को दो-एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश की नुशीन नाज़ नौ गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि हॉकी झारखंड की संदीपा कुमारी पांच गोल के साथ उनके पीछे हैं। महिला वर्ग में तीसरे स्थान के लिए हॉकी ओडिशा का मुकाबला उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी का सामना हॉकी पंजाब से कांस्य पदक के लिए होगा। फाइनल मुकाबलों के साथ इस प्रतियोगिता का समापन रोमांचक अंदाज में होने की उम्मीद है, जहां देश की युवा प्रतिभाएं अपना दमखम दिखाने को तैयार हैं।

बीएचयू दक्षिणी परिसर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला में 'सॉफ्टबॉल' की नवीनतम नियमों पर प्रशिक्षण

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर (आर.जी.एस.सी.), बरकछा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में दूसरे दिन शनिवार को 'सॉफ्टबॉल' खेल के ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक की प्रशिक्षकों एवं रेफरी को जानकारी दी गई। 'सॉफ्टबॉल में उन्नत नियम व्याख्या, ऑफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक' विषयक कार्यशाला में भारत में सॉफ्टबॉल के बढ़ते महत्व तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं मानकीकृत ऑफिशिएटिंग के महत्व को बताया गया। दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. बी.एम.एन.कुमार के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं रेफरी की तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन स्पोर्ट्स बोर्ड, आर.जी.एस.सी., बी.एच.यू ने किया है। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नेमा (महासचिव, स्पोर्ट्सबोर्ड,

बी.एच.यू.) ने खेलों में अनुशासन, नियमों की समझ एवं प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पंकज सिंह तथा सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु के खेल निदेशक जितेंद्र मेवारा ने खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पेशेवर दृष्टिकोण पर खासा जोर दिया। आचार्य प्रभारी ने बताया कि कार्यशाला में दो दिन ऑफिशिएटिंग मैकेनिक्स, कोचिंग तकनीक, शारीरिक फिटनेस, प्रतियोगिता प्रबंधन, स्कोरिंग प्रणाली एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएं खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि सॉफ्टबॉल, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लोकप्रिय खेल है। आमतौर पर यह माना जाता है कि सॉफ्टबॉल का विकास इंडोर बेसबॉल नामक खेल से हुआ है।

बांग्लादेश ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए टीम घोषित की

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की नई चयन समिति, जिसका नेतृत्व हबीबुल बशर कर रहे हैं, ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय वही टीम बरकरार रखी है, जिसने पिछले महीने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को दो-एक से हराया था। श्रृंखला के पहले दो मुकाबले 17 और 20 अप्रैल को ढाका में खेले जाएंगे, जबकि तीसरा मुकाबला 23 अप्रैल को चट्टोग्राम में होगा।

टीम की कमान मेहदी हसन मिराज़ के हाथों में होगी। हालांकि हाल की जीत के बावजूद कुछ बल्लेबाज़ों के प्रदर्शन पर सवाल बने हुए हैं। सैफ़ हसन और अफ़ीफ़ हुसैन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन पारियों में क्रमशः 17.33 और 19 की औसत से रन बनाए थे, जो उम्मीदों से कम रहे। तेज़ गेंदबाज़ी

विभाग में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं ने नाहिद राना, तस्कीन अहमद, मुस्तफ़िज़ुर रहमान और शोरिफ़ुल इस्लाम पर भरोसा बरकरार रखा है। हाल के समय में गेंदबाज़ों को बदल-बदल कर खिलाने की नीति के विपरीत यह एक स्थिर संयोजन माना जा रहा है।बांग्लादेश की टीम के पाँच खिलाड़ी इस समय पाकिस्तान में चल रही लीग में खेल रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बारह अप्रैल को राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

रिपोर्टों के अनुसार, एकदिवसीय श्रृंखला समाप्त होने के बाद केवल मुस्तफ़िज़ुर रहमान ही वापस लीग में लौटेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन बीस-बीस ओवरों के मुकाबले भी खेले जाएंगे।

बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

मेहदी हसन मिराज़ (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ़ हसन, तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिटन दास (विकेटकीपर), अफ़ीफ़ हुसैन, महिदुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफ़िज़ुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरिफ़ुल इस्लाम और नाहिद राना।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट : खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज की दमदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) के 5वें दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एसजीटीबी खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। यह प्रतियोगिता एसजीटीबी खालसा कॉलेज के मैदान पर खेली जा रही है। पुरुष वर्ग के एक मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 92-49 के बड़े अंतर से हराया। किरोड़ी मल कॉलेज के हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। एक अन्य मैच में एसजीटीबी खालसा एलुमनी ने रामजस कॉलेज को 81-60 से मात दी। खालसा एलुमनी के मुकेश ने बेहतरीन खेल दिखाया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का सम्मान मिला। महिला वर्ग में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गार्गी

कॉलेज ने मैत्रेयी कॉलेज को 59-29 से हराकर दमदार जीत दर्ज की। गार्गी कॉलेज की कनिका को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। एक अन्य महिला मुकाबले में स्टनर्स अकादमी ने रामजस कॉलेज को 70-29 से पराजित किया। स्टनर्स अकादमी की रिदम को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता में रॉरी मैकइलरॉय की धमाकेदार बढ़त, अक्षय भाटिया बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑगस्टा में जारी प्रतिष्ठित मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता के आधे चरण के बाद मुकाबले ने रोमांचक मोड़ ले लिया है। रॉरी मैकइलरॉय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह शॉट की रिकॉर्ड बढ़त बना ली है, जबकि अक्षय भाटिया निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कट पार करने में नाकाम रहे। मैकइलरॉय ने दूसरे दौर में सात अंडर पैंसठ का बेहतरीन स्कोर बनाया और कुल बारह अंडर एक सौ बत्तीस के स्कोर के साथ शीर्ष पर मजबूत पकड़ बना ली। यह मास्टर्स के इतिहास में मध्य चरण तक की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। अंतिम सात होल में उन्होंने छह बर्डी लगाकर बाकी खिलाड़ियों से बड़ी दूरी बना ली। उनके प्रदर्शन में अनुभव और दबाव

में संयम साफ झलका। कुछ खराब टी-शॉट के बावजूद उन्होंने समझदारी से खेलते हुए खुद को संभाला और छोटे शॉट्स में बेहतरीन सटीकता दिखाई। अब वह ग्रीन जैकेट की ओर बढ़ते दिख रहे हैं और लगातार खिताब जीतने वाले महान खिलाड़ियों जैक निकलॉस, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स की सूची में शामिल होने की राह पर हैं। दूसरे स्थान पर पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स हैं, जो मैकइलरॉय से छह शॉट पीछे हैं। रीड ने उनहत्तर का स्कोर बनाया लेकिन आखिरी होल में बोगी के कारण पिछड़ गए। वहीं सैम बर्न्स ने अंतिम दो होल में बर्डी लगाकर इकहत्तर का स्कोर किया। कट पार करने की होड़ में कई बड़े नाम बाहर हो गए, जिनमें अक्षय भाटिया सबसे प्रमुख रहे। पहले दौर में तिहत्तर के स्कोर के बाद उन्होंने दूसरे दौर में अच्छी शुरुआत की, लेकिन पिछले नौ होल में तीन डबल बोगी के कारण उनकी उम्मीदें टूट गईं। अंतिम होल पर डबल बोगी ने उनकी वापसी की सारी संभावनाएं खत्म कर दीं।

ला लीगा: रियल मैड्रिड ने गिरोना के साथ ड्रॉ खेलकर अंक गंवाए, शीर्ष पर बार्सिलोना की बढ़त और मजबूत

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता ला लीगा में खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। रियल मैड्रिड को गिरोना के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा, जिससे शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिल गया है।

मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ के छह मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे ने किया, जिससे रियल को बढ़त मिली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी और 62वें मिनट में थोमस लेमार ने शानदार गोल दागकर गिरोना को बराबरी दिला दी।इस परिणाम के बाद बार्सिलोना 76 अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड उससे छह अंक पीछे है और एक मुकाबला अधिक खेल चुका है। अब बार्सिलोना के पास अपनी बढ़त नौ अंकों तक पहुंचाने का शानदार अवसर है। रियल मैड्रिड ने इस मुकाबले में

मजबूत टीम उतारी थी, क्योंकि उसे अगले सप्ताह एक अहम मुकाबला खेलना है, जिसमें पिछली हार की भरपाई करना जरूरी होगा। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंघम जैसे खिलाड़ी मैदान में उतरे, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।पहले हाफ में रियल के पास गेंद पर नियंत्रण ज्यादा रहा, लेकिन वह साफ मौके बनाने में नाकाम रहा। गिरोना ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जवाबी हमलों पर ध्यान दिया। गिरोना के खिलाड़ी अज़ेद्दीन उनाही का एक जोरदार शॉट भी देखने को मिला, जिसे गोलकीपर आंद्री लुनिन ने शानदार तरीके से रोक लिया।

दूसरे हाफ में मैच में तेजी आई, लेकिन बराबरी के बाद रियल मैड्रिड दबाव में नजर आया। टीम के हमलों में जल्दबाजी और तालमेल की कमी साफ दिखी। गिरोना ने अनुशासित खेल दिखाते हुए रियल को कोई और मौका नहीं दिया। अंतिम सीटी के साथ ही दर्शकों की नाराजगी साफ झलकने लगी। इस ड्रॉ के बाद रियल मैड्रिड की खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है और अब मुकाबला बार्सिलोना की ओर झुकता नजर आ रहा है।

नॉर्थ जोन पुरुष खो-खो अंतर विश्वविद्यालयीय टूर्नामेंट का चैम्पियन बना सीएसजेएमयू : कुलपति

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित नॉर्थ जोन पुरुष खो-खो अंतर विश्वविद्यालयीय टूर्नामेंट का समापन शानदार मुकाबलों और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें मेजबान टीम सीएसजेएमयू ने खिताब अपने नाम कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासन, टीम भावना और उच्च स्तरीय खेल कौशल का प्रदर्शन किया। 'खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है। यह बातें विश्विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहीं।छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। द्वितीय स्थान के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय ने 18-16 से जीत दर्ज कर उपविजेता स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में सीएसजेएमयू, कानपुर का सामना लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब से हुआ। मेजबान सीएसजेएमयू टीम ने शानदार रणनीति और सामंजस्यपूर्ण खेल का प्रदर्शन करते हुए 18-10 से जीत दर्ज कर आठ अंकों के अंतर से चैम्पियनशिप अपने नाम कर ली। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

मोंटे कार्लो मास्टर्स: फोंसेका को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

एजेंसी

मोंटे कार्लो। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दबाव के बावजूद शांत रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। जर्मन खिलाड़ी ने दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में 7-5, 6-7(3), 6-3 से जीत हासिल की और तीसरी बार इस क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह मैच शुरू से आखिर तक बेहद प्रतिस्पर्धी रहा। ज्वेरेव ने कुल 104 अंक अपने नाम किए, जबकि फोंसेका 97 अंकों पर रहे। दोनों खिलाड़ियों के सर्विस के आंकड़े लगभग एक जैसे थे, लेकिन ज्वेरेव को थोड़ा फायदा मिला। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 72 प्रतिशत अंक जीते, जबकि फोंसेका ने 68 प्रतिशत अंक हासिल किए। दूसरी सर्विस पर दोनों खिलाड़ी लगभग बराबर थे। ज्वेरेव ने 58 प्रतिशत और फोंसेका ने 59 प्रतिशत अंक जीते। ज्वेरेव ने अपने मौकों का भी बेहतर इस्तेमाल किया। उन्होंने सात में से चार ब्रेक पॉइंट को भुनाया, जबकि फोंसेका तीन में से दो ब्रेक पॉइंट ही भुना पाए। जर्मन खिलाड़ी को मैच के दौरान सिर्फ तीन ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा और उनकी

सर्विस दो बार टूटी, जबकि फोंसेका की सर्विस चार बार टूटी। पहले सेट में ज्वेरेव ने अपनी पकड़ बनाए रखी और 11वें गेम में एक अहम ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने अच्छी सर्विस करते हुए सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में उन्होंने जोरदार शुरुआत की और 3-1 से आगे हो गए, लेकिन फोंसेका ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। 19 साल के इस खिलाड़ी ने लगातार चार गेम जीतकर 5-3 की बढ़त बना ली। हालांकि, वह सेट को अपनी सर्विस पर खत्म नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाया और 7-3 से जीत हासिल करके मैच को बराबर कर दिया।

निर्णायक सेट में ज्वेरेव शांत और एकाग्र रहे। उन्होंने अपनी सर्विस आसानी से बचाए रखी और छठे गेम में एक अहम ब्रेक हासिल करके 4-2 की बढ़त बना ली। वहां से उन्होंने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। फोंसेका ने अपने आक्रामक खेल से सभी को प्रभावित किया, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने बहुत ज्यादा गलतियां कीं। ज्वेरेव की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत जानिक सिनर से होगी।

जेएएल के चेयरमैन ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के चेयरमैन जयप्रकाश गौर ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर अपना भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि लेनदारों की समिति और रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल ने एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई है।उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी के नेतृत्व में कंपनी सभी हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी। जयप्रकाश गौर ने कहा कि उनकी कंपनी 1979 से लंबी और भावनात्मक यात्रा का हिस्सा रही है। कंपनी ने हाल ही में अडाणी समूह के साथ एक नया अध्याय शुरू किया है। कंपनी ने विभिन्न प्रमुख प्रोजेक्ट्स जैसे बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, जलविद्युत परियोजनाएं, सीमेंट प्लांट्स, और जयपी विश टाउन, जयपी ग्रीन्स, जयपी स्पोर्ट्स सिटी विकसित किया, जो कंपनी के लिए गर्व की बात रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने वित्तीय कठिनाइयों का सामना किया और उसे इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इस कठिन समय में कंपनी ने सभी हितधारकों, गृह-खरीदारों, कर्मचारियों, बैंकों और भागीदारों के साथ मिलकर समाधान निकालने का प्रयास किया। गौतम अडाणी की अडाणी समूह ने दिवालिया प्रक्रिया के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) का लगभग 14,535 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की बोली जीती है। ये सौदा सीमेंट, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट संपत्तियों के लिए है।

केंद्रीय कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली। देश के लगभग 45 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनर्स को महंगाई भत्ते (DA) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। आमतौर पर मार्च के आखिरी सप्ताह तक होने वाला यह ऐलान इस बार दो हफ्तों से ज्यादा पिछड़ चुका है। कर्मचारी संगठनों ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर जल्द स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लॉयीज फेडरेशन के अनुसार, डीए 54 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत होने की उम्मीद है। देरी के कारण कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति है क्योंकि उन्हें अप्रैल की सैलरी के साथ जनवरी 2026 से अब तक के एरियर (Arrears) मिलने की आस थी। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार डीए की घोषणा में देरी के पीछे प्रशासनिक कारण और 8वें वेतन आयोग (4th Pay Commission) के ढांचे की ओर बढ़ता ट्रांजिशन हो सकता है। बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी के अनुसार, नए पे-स्ट्रक्चर और मुद्रास्फीति के आंकड़ों के बीच सही तालमेल बिठाने के कारण फाइल अटकी हो सकती है। सरकार को महंगाई भत्ते की मांग और राजकोषीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि देरी का कोई बड़ा नकारात्मक कारण नहीं है और जल्द ही कैबिनेट की बैठक में इस पर मुहर लग सकती है। कर्मचारी संगठनों की एक प्रमुख मांग 50 प्रतिशत डीए को मूल वेतन (Basic Pay) में मर्ज करने की भी रही है, ताकि बढ़ती महंगाई से राहत मिल सके।

चांदी की कीमतों में 13,000 रुपये का ऐतिहासिक उछाल, सोना भी पहुंचा रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। वैश्विक बाजार में जारी अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी की कीमतों ने आज सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। पिछले महज एक सप्ताह के भीतर चांदी की कीमतों में प्रति किलो 13,000 रुपये की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे यह 2,43,274 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं, सोने की कीमतों में भी 3,500 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्ग) पर सोना 1,52,690 रुपये के नए शिखर पर बंद हुआ। निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी और सुरक्षित निवेश की मांग ने इन कीमती धातुओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिससे आम खरीदारों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतों में इस अप्रत्याशित वृद्धि का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच चल रही युद्धविराम वार्ता और वैश्विक भू-राजनीतिक बदलाव हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार (COMEX) में सोना 4,787 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच गया है। अमेरिकी डॉलर में आई कमजोरी ने भी सोने और चांदी को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बना दिया है। आमतौर पर जब डॉलर कमजोर होता है और वैश्विक तनाव बना रहता है, तो बड़े निवेशक शेयर बाजार के बजाय सुरक्षित संपत्ति के रूप में धातुओं की ओर रुख करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ गया है और दाम आसमान छू रहे हैं।

जेपी ग्रुप के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अडानी समूह के अधिग्रहण पर जताया पूर्ण भरोसा

नई दिल्ली । जेपी ग्रुप के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन जयप्रकाश गौड़ ने कर्ज के संकट से जूझ रही कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (JAL) के अडानी ग्रुप द्वारा अधिग्रहण किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ऋणदाताओं की समिति (CoC) द्वारा लिया गया यह निर्णय पूरी तरह पारदर्शी है और वह इसका सम्मान करते हैं। गौड़ ने विश्वास जताया कि गौतम अडानी के कुशल नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स की विरासत को नई ऊर्जा और उद्देश्यों के साथ आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे कंपनी से जुड़े सभी हितधारकों और निवेशकों की आकांक्षाएं पूरी होंगी। जयप्रकाश गौड़ ने पूरी दिवाला समाधान प्रक्रिया (Insolvency Process) के संचालन की सराहना करते हुए ऋणदाताओं की समिति और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1979 से शुरू हुआ यह सफर उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

भारत-कतर के बीच रिश्तों को और मजबूत करने पर बनी सहमति; व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर जोर

एजेंसी
नई दिल्ली/दोहा । भारत और कतर ने व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में अपने रणनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह फैसला उस समय हुआ जब पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दोहा में अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान उच्च स्तरीय बैठकें कीं। पुरी 9 अप्रैल को दोहा पहुंचे और उन्होंने कतर के ऊर्जा मामलों के राज्य मंत्री और कतर एनर्जी के प्रेसिडेंट व सीईओ साद शेरिडा अल-काबी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। बैठक में उच्च स्तरीय संपर्क, व्यापार और निवेश के अवसर, ऊर्जा सहयोग, सांस्कृतिक रिश्ते और लोगों के बीच संबंधों जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई, जो भारत-कतर साझेदारी की गहराई को दर्शाते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने इन सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से बातचीत की

और भविष्य में संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता बहाल होने की उम्मीद जताई और द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने की बात कही।

इस दौरान पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल-थानी और प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी को शुभकामनाएं और एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने मार्च 2026 में प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर के बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कतर में रह रहे भारतीय समुदाय को मिल रहे सहयोग के लिए भी आभार जताया था। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने क्षेत्र में जल्द शांति बहाल होने की उम्मीद जताई और द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। अल-काबी ने भारत के लिए कतर की एक भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार के रूप में प्रतिबद्धता दोहराई और ऊर्जा क्षेत्र में लगातार सहयोग जारी रखने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं ने 8 अप्रैल को घोषित दो सप्ताह के सीजफायर का स्वागत किया और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बिना बाधा जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार के सुचारु संचालन को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि सप्लाई चेन स्थिर रह सके।

पुरी ने कतर सरकार द्वारा मिले आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और दोनों पक्षों ने आने वाले हफ्तों में संपर्क में रहने और साझा हितों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 6.51 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद आज शानदार वापसी की। आज के कारोबार में सेंसेक्स 990 अंक तक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 298 अंक तक की छलांग लगाई। माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया में शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद, मजबूत ग्लोबल संकेत और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार हुई खरीदारी के कारण शेयर बाजार में सुबह से ही तेजी का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच कुछ देर तक खींचतान भी होती रही, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में उतार चढ़ाव भी होता रहा। हालांकि, अंत में खरीदारों का पलड़ा ही भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.20 प्रतिशत और निफ्टी 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह रियल्टी, बैंकिंग, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, निफ्टी के आईटी इंडेक्स और बीएसई के टेक इंडेक्स बिकवाली के दबाव में गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.91 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह बीएसई का टेक इंडेक्स 1.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.65 प्रतिशत की उछाल के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

यूपीआई के 10 साल पूरे: लेनदेन की वॉल्यूम 12,000 गुना बढ़ी; वैल्यू में 4,000 गुना से अधिक की बढ़ोतरी

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को 11 अप्रैल को 10 वर्ष पूरे हो रहे है। इस दौरान यूपीआई की लेनदेन की वॉल्यूम में 12,000 गुना से अधिक का इजाफा हुआ है और लेनदेन की वैल्यू 4,000 गुना से अधिक बढ़ी है। एनालिटिक्स फर्म ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई के जरिए वित्त वर्ष 26 में 218.98 अरब लेनदेन हुए और इनकी वैल्यू 285 लाख करोड़ रुपए थी। वहीं, वित्त वर्ष 17 में यह आंकड़ा 1.786 करोड़ लेनदेन पर था और इनकी वैल्यू 6,952 करोड़ रुपए थी। शुरुआती वर्षों में लेनदेन धीरे-धीरे बढ़े और वित्त वर्ष 18 में 91.5 करोड़ और वित्त वर्ष 19 में 5.39 तक तक पहुंचे। फिर वित्त वर्ष 20 में यूपीआई मुख्यधारा में आया और 12.52 अरब लेनदेन के आंकड़े पर पहुंचा और इनकी वैल्यू 21 लाख करोड़ रुपए से अधिक थी। महामारी के वर्षों में यूपीआई के उपयोग में तेजी आई और वित्त वर्ष 21 में

लेनदेन की संख्या 22.33 अरब और वित्त वर्ष 22 में 45.97 अरब तक पहुंच गई, और वित्त वर्ष 2023 में यह फिर से दोगुनी होकर 83.75 अरब लेनदेन तक पहुंच गई।

यूपीआई ने वित्त वर्ष 24 में 130.13 अरब और वित्त वर्ष 25 में 185.87 अरब लेनदेन दर्ज किए।

2025 में व्यापारियों द्वारा भुगतान स्वीकार करने का आधार भी विस्तारित हुआ, यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 73.13 करोड़ तक पहुंच गई। पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 1.148 करोड़ हो गई। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में यूपीआई ने 2016 में लॉन्च होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक मासिक लेनदेन दर्ज किया। यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन प्रोसेस किए, जो फरवरी में दर्ज किए गए 20.39 अरब लेनदेन से काफी अधिक है।मार्च का आंकड़ा जनवरी में दर्ज किए गए 21.70 बिलियन लेनदेन के पिछले उच्चतम स्तर को भी पार कर गया। इस दौरान वार्षिक आधार पर, लेनदेन की मात्रा में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर रहा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले के हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 10.288 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई थी। इसकी वजह एफसीए की वैल्यू में गिरावट आना था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 7.221 अरब डॉलर बढ़कर 120.742 अरब डॉलर हो गई है।

विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 1.784 अरब डॉलर बढ़कर 552.856 अरब डॉलर हो गई। एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होते हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।

आरबीआई के अनुसार, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.707 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, भारत की आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) में रिजर्व पॉजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 4.816 अरब डॉलर पर यथावत रही है। किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।

उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और

उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।

बढ़ता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार यह भी दिखाता है कि देश में डॉलर की आवक बड़ी मात्रा में बनी हुई है और यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। साथ ही इसके बढ़ने से देश के लिए विदेशों में व्यापार करना भी आसान हो जाता है।

निवेश का मध्य प्रदेश मॉडल की देश भर में हो रही सराहना

● बुंदेलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने समझने के लिए किया मप्र का दौरा

एजेंसी
इंदौर। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं रीजनल स्तर पर रोड़ शो एवं ग्लोबल तथा रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव के माध्यम से प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के मध्य प्रदेश मॉडल की देश भर में सराहना हो रही है। करीब 56 हजार एकड़ में विकसित हो रहे बुंदेलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ संजय खत्री की अध्यक्षता में प्राधिकरण के पांच सदस्यीय दल द्वारा 8-9 और 10 अप्रैल को मध्य प्रदेश का दौरा किया

गया। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के दल ने धार जिले में स्थित प्रदेश के पहले पी.एम. मित्र पार्क का दौरा किया, जहाँ पर दोनों राज्यों की टेक्निकल टीम ने साथ बैठकर परियोजना का बारिकी से अध्ययन किया, जिसमें कि ले-आऊट प्लानिंग, क्रॉस सेक्शन, डी.पी.आर. आदि शामिल थे। डेलिगेशन के सदस्य मध्य प्रदेश मॉडल से काफी प्रभावित हुए एवं इसे अपने क्षेत्र में लागू करेंगे। डेलिगेशन ने इंदौर में एम.पी.आई.डी.सी., क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति से मुलाकात की, जहाँ पर उनके द्वारा पी.एम. मित्र पार्क एवं अन्य औद्योगिक परियोजनाओं पर प्रस्तुति दी गई तथा मध्य प्रदेश को निवेशकों की पहली प्राथमिकता बनाए जाने के संबंध में शासन स्तर से किए जा रहे विभिन्न प्रयासों, निवेश प्रोत्साहन पॉलिसी, अधोसंरचनाओं की गुणवत्ता तथा प्लानिंग के बारे में जानकारी प्रदान की गई। दल द्वारा यह बताया गया कि इन्दौर क्षेत्र के पी.एम. मित्र पार्क एवं पीथमपुर की विख्यात छवि के कारण उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश से निवेश आकर्षण एवं अन्य चीजों को समझने हेतु भेजा गया है। दल द्वारा स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल पार्क एवं मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का भी भ्रमण किया गया एवं इस संबंध में बारिकी से जानकारी प्राप्त की गई।

मनोहर लाल ने भूटान में पुनात्सांगछू जलविद्युत परियोजना का किया दौरा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने अपनी आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन भूटान में पुनातसांगछू-II और पुनातसांगछू-II जलविद्युत परियोजना स्थलों का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने वांगडु फोडरंग द्जोंग का दौरा किया, जो भूटान की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का भंडार है।

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बांध निर्माण के लिए पुनात्सांगछू-II परियोजना स्थल पर कंक्रीट डालने के समारोह में भाग लिया। दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी संयुक्त जलविद्युत परियोजना के पूरा होने पर भूटान की जलविद्युत क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान मनोहर लाल ने ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक साझेदारी पर जोर देते हुए भारत की वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग सहित निरंतर समर्थन के बारे में बताया। उन्होंने परियोजना को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाने में दोनों पक्षों के इंजीनियरों और विशेषज्ञों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्युत संयंत्र का निरीक्षण भी किया और परियोजना के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके बाद मनोहर लाल ने पुनात्सांगचू-II परियोजना का दौरा किया। इस दौरे में विद्युत संयंत्र और बांध स्थल का निरीक्षण भी शामिल था, जहां उन्हें चल रहे कार्यों की जानकारी दी गई। केंद्रीय मंत्री ने परियोजना के संचालनात्मक निष्पादन की समीक्षा की और बताया कि इससे पहले ही पर्याप्त बिजली और राजस्व उत्पन्न हो चुका है, साथ ही भारत को स्वच्छ ऊर्जा का निर्यात भी संभव हो रहा है। उन्होंने परियोजना के सफल क्रियान्वयन और संचालन दक्षता की सराहना की, भूटान के आर्थिक विकास में इसके योगदान को स्वीकार किया और सतत ऊर्जा विकास में भूटान को सहयोग देने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया।

वर्ल्ड बैंक चीफ अजय बंगा ने भारतीय विकास मॉडल की तारीफ की, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आईएएनएस की उस रिपोर्ट को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें वर्ल्ड बैंक ने चीफ अजय बंगा ने भारत के को-ऑपरेटिव मॉडल की तारीफ की है और इस स्केलेबल ग्रोथ का एक अच्छा उदाहरण बताया। साथ ही, रोजगार सृजन को विकास की रणनीति का मूल बताया। पीएमओ इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए लेख में रोजगार आधारित विकास के महत्व और भारत के विकास दृष्टिकोण की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मान्यता के बारे में बताया है। बंगा ने कहा कि विकास प्रयासों को व्यक्तिगत परियोजनाओं तक सीमित न रहकर रोजगार सृजन और आर्थिक अवसरों जैसे व्यापक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'विकास कोई दान नहीं है, यह एक रणनीति है।' बंगा आगे कहा कि

रोजगार सृजन विकास और स्थिरता को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाशिंगटन में विश्व बैंक और आईएमएफ की वसंतकालीन बैठकों से पहले बोलते हुए, बंगा ने बढ़ती हुई जनसांख्यिकीय चुनौती की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगले 15 वर्षों में लगभग 1.2 अरब युवाओं के कार्यबल में शामिल होने की उम्मीद है, जबकि रोजगार सृजन उस गति से नहीं हो पाएगा। उन्होंने रोजगार बढ़ाने के लिए तीन सूत्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें बुनियादी ढांचे में निवेश, व्यापार-अनुकूल शासन सुधार और वित्त तक बेहतर पहुंच शामिल है। उन्होंने बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को रोजगार सृजन के प्रमुख चालक के रूप बताया। अपने स्वयं के अनुभव से उदाहरण देते हुए, बंगा ने भारत के डेयरी सहकारी मॉडल को एक सफल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया कि कैसे प्रौद्योगिकी और संगठन ग्रामीण आजीविका में सुधार लाने और छोटे उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं भारत में पला-बढ़ा हूं।' डेयरी क्षेत्र जैसी सहकारी संरचनाएं छोटे उत्पादकों को बेहतर बाजारों और कीमतों तक पहुंच बनाने में मदद करती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने में विफलता वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रवासन दबाव और सामाजिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। उन्होंने रोजगार की कमी को व्यापक वैश्विक चुनौतियों से जोड़ते हुए कहा, 'कल्पना कीजिए कि इसका क्या प्रभाव होगा... यदि 8 करोड़ लोग... आशा और सम्मान प्राप्त करने में सक्षम नहीं होंगे। '

निसान ने 54 नए कस्टमर टच पॉइंट्स के साथ अपने नेटवर्क का किया विस्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने 2026 की पहली तिमाही में देशभर में 54 नए कस्टमर टच पॉइंट्स (शोरूम और सर्विस सेंटर) की शुरुआत कर अपने नेटवर्क विस्तार को नई गति दी है। निसान मोटर इंडिया ने जारी एक बयान में बताया कि यह कंपनी के भारत में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये विस्तार निसान की प्रोडक्ट-आधारित विकास रणनीति का प्रमुख स्तंभ है, जिसके जरिए कंपनी देशभर में अपनी पहुंच और उपस्थिति को मजबूत बना रही है। कंपनी ने कहा कि नए टचपॉइंट्स में 3स (सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स), 2स और 1स आउटलेट्स शामिल हैं, जिन्हें रणनीतिक रूप से विभिन्न शहरों में स्थापित किया गया, जिससे ग्राहकों को बेहतर और आसान पहुंच मिल सके। यह रिटेल फुटप्रिंट को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य देशभर में अपनी बिक्री और सेवा पहुंच को मजबूत करना है, जो ब्रांड की भारतीय बाजार में मजबूती का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, '2026 की पहली तिमाही में 54 नए कस्टमर टच पॉइंट्स की शुरुआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नई निसान मैग्नाइट की सफलता हाल ही में लॉन्च हुई ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट और जल्द आने वाले ऑल न्यू निसान टेक्टॉन तथा सी-एसयूवी 7-सीटर के साथ हम अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और मजबूत बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में नेटवर्क विस्तार हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है, जो ग्राहकों तक बेहतर पहुंच, सुविधा और बेहतर ब्रांड अनुभव सुनिश्चित करता है। हम वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक कुल टचपॉइंट्स की संख्या 400 तक पहुंचाने के अपने लक्ष्य की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं।' सौरभ वत्स ने कहा कि नए आउटलेट्स को निसान के वैश्विक रिटेल मानकों के अनुसार आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। साथ ही यहां प्रशिक्षित सेल्स और सर्विस प्रोफेशनल्स तैनात किए गए हैं, ताकि ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव मिल सके। इन शहरों को किया गया कवर: निशान मोटर इंडिया के 54 नए कस्टमर टच पॉइंट्स में नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, भोपाल, लुधियाना, पटना, भुवनेश्वर, पुणे, जयपुर, इंदौर, कटक, हमीरपुर, जामनगर, कुरुक्षेत्र, मंडी, मैसूर, पतनमथित्ता, पठानकोट, रतलाम, सांगली, बांकुरा, सतारा एवं तंजावुर शामिल है।

कैट-श्रीराम फाइनेंस ने लॉन्च किया फिनटेक पोर्टल, व्यापारियों तक आसान होगी क्रेडिट पहुंच

एजेंसी
नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश के प्रतिष्ठित वित्तीय समूह श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड की साझेदारी में फिनटेक पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य देशभर के व्यापारियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए सहज रूप से ऋण की उपलब्धता को बढ़ाना है। इस पोर्टल का शुभारंभ सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल और श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी जीएम जिलानी ने आज नई दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में किया गया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने बताया कि कैट के सदस्यों और व्यापारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया ये पोर्टल श्रीराम फाइनेंस लिमिटड के मजबूत ऋण वितरण तंत्र के साथ जोड़ेगा, जिससे व्यापारियों को विभिन्न वित्तीय उत्पादों तक पहुंचने में आसानी होगी। यह फिनटेक प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्रदान करेगा, जिनमें एमएसएमई ऋण (सुरक्षित एवं असुरक्षित), व्यक्तिगत ऋण, स्वर्ण ऋण, दोपहिया वाहन ऋण तथा वाणिज्यिक वाहन वित्तपोषण शामिल हैं। खंडेलवाल ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म व्यापारियों को डिजिटल माध्यम से ऋण आवेदन करने की सुविधा देगा, जबकि अंतिम प्रक्रिया और वितरण श्रीराम फाइनेंस के व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से पिनकोड के आधार पर किया जाता है।

अगले सप्ताह सिर्फ चार दिन होगी ट्रेडिंग, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती की रहेगी छुट्टी

एजेंसी
नई दिल्ली। अगले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन ट्रेडिंग होगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में अगले सप्ताह मंगलवार यानी 14 अप्रैल को कारोबार नहीं होगा। मंगलवार को अंबेडकर जयंती होने की वजह से बीएससी और एनएसई में छुट्टी रहेगी। इसके अलावा शनिवार और रविवार को शेयर बाजार में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। इस तरह अगले सप्ताह शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन ही सामान्य कारोबार होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी अंबेडकर जयंती की छुट्टी होने की वजह से पहले सत्र में यानी सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कारोबार नहीं होगा। हालांकि एमसीएक्स में शाम पांच से रात 11:55 बजे तक दूसरे सत्र में सामान्य कारोबार होगा। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार अंबेडकर जयंती की छुट्टी होने के कारण बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स

सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट- रिपोर्टिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसटी), ट्राई पार्टी रेपो, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। इसी तरह एनएसई में भी इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार अगले महीने एक मई को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी रहेगी उस दिन मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में भी सुबह के सत्र में छुट्टी रहेगी। हालांकि शाम के सत्र में एमसीएक्स में सामान्य कारोबार होगा। एक मई को शुक्रवार होने के कारण मई के पहले तीन दिन लगातार घरेलू शेयर बाजार बंद रहेगा। एक मई को महाराष्ट्र दिवस की छुट्टी होने के बाद दो और तीन मई को शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। मई के महीने में एक तारीख के अलावा 28 मई को भी छुट्टी रहेगी। 28 मई को बकरीद की वजह से स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इस हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक मई के बाद जून में सिर्फ एक दिन 26 जून को मोहर्रम के कारण स्टॉक मार्केट में कारोबार नहीं होगा। इसके बाद जुलाई और अगस्त में स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा और कोई छुट्टी नहीं होगी। सितंबर में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी होगी, जबकि अक्टूबर के महीने में 2 तारीख को महात्मा गांधी जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा। इसी महीने 20 तारीख को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी।

बातचीत का मुख्य फोकस ईरान की न्यूक्लियर क्षमताओं को कम करना : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए ईरानी डेलिगेशन पाकिस्तान पहुंच चुका है। अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल भी पाकिस्तान में पहुंचने वाला है। वहीं इस वार्ता के शुरू होने से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर से चेतावनी दी है। मीडिया से बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपनी बात दोहराई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि ईरान की नौसेना और सेना का खात्मा हो गया है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जल्द ही फिर से खुल जाएगा, ईरान के सहयोग से या उसके बिना। वहीं उन्होंने पाकिस्तान में ईरान के साथ वार्ता को लेकर कहा कि अभी पाकिस्तान जा रहे अमेरिकी नेगोशिएटर मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने पर फोकस कर रहे हैं कि तेहरान न्यूक्लियर हथियार हासिल न कर पाए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने स्ट्रेट से आसानी से रास्ता सुनिश्चित करने की कोशिशों के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत जल्दी हो जाएगा। और अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम इसे किसी न किसी तरह खत्म कर देंगे।' राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर से कहा कि ईरान के साथ डील में उनका मुख्य फोकस देश की न्यूक्लियर क्षमताओं को कम करना है। उन्होंने कहा, 'कोई न्यूक्लियर हथियार नहीं। बस इतना ही यह इस डील का 99 फीसदी हिस्सा है।' पाकिस्तान में बातचीत के बीच ईरान के साथ समझौते को लेकर ट्रंप ने कहा, 'शासन में परिवर्तन पहले ही हो चुका है।

नेपाल के सभी हवाईअड्डे पर 24 घंटे के भीतर स्तनपान कक्ष स्थापित करने के निर्देश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय विमानस्थल सहित देशभर के सभी हवाई अड्डों पर 24 घंटे के भीतर सुरक्षित स्तनपान एवं शिशु देखभाल कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया है। नेपाल के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को यह निर्देश दिया है कि हवाई अड्डों पर स्वच्छ, सुरक्षित और गोपनीयता सुनिश्चित करने वाले स्तनपान एवं शिशु देखभाल कक्षों का संचालन किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार उनका उन्नयन किया जाए। मंत्रालय के सचिव मुकुंद प्रसाद निरौला द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक बीमार और विशेष आवश्यकता वाले यात्रियों के लिए प्राथमिक देखभाल कक्ष भी संचालित करने को कहा गया है। हवाई अड्डों की सफाई को अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने, दैनिक सफाई के लिए 'लॉगबुक' प्रणाली लागू करने तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य मानकों का पालन करने का भी निर्देश दिया गया है। इसी तरह शौचालयों में महिला यात्रियों के लिए निःशुल्क सैनिटरी पैड की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। मंत्रालय ने इन सभी निर्देशों को लागू कर इसकी जानकारी मंत्रालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

रविवार को अस्पतालों में ओपीडी संचालन संभव नहीं : नेपाल चिकित्सक संघ

काठमांडू। नेपाल चिकित्सक संघ (एनएमए) ने देश के सभी अस्पतालों में रविवार को बाह्यरोगी विभाग (ओपीडी) के संचालन में असमर्थता जताई है। नेपाल सरकार द्वारा सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश देने के साथ ही देशभर के अस्पतालों में रविवार के दिन मरीजों की सहूलियत के लिए ओपीडी सेवा चलाने का निर्देश दिया था। लेकिन एनएमए ने जनशक्ति अपर्याप्त होने का हवाला देते हुए सरकार के निर्देश को लागू करने में असमर्थता व्यक्त की है। संघ ने स्वास्थ्य विभाग में कार्मिक सुविधाओं में आमूलचूल सुधार करने की भी मांग की है। नेपाल चिकित्सक संघ (एनएमए) ने स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश के संदर्भ में शनिवार को एक बयान जारी कर कहा है कि रविवार को ओपीडी सेवा देना संभव नहीं होगा। बयान में संघ के महासचिव डॉ. संजीव तिवारी ने कहा कि सरकार ने सप्ताह में दो दिन–शनिवार और रविवार–सार्वजनिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। हालांकि, मंत्रालय ने अस्पतालों से अपनी जनशक्ति के आधार पर रविवार को भी ओपीडी सेवा जारी रखने का अनुरोध किया था, लेकिन अतिरिक्त जनशक्ति उपलब्ध न होने के कारण यह संभव नहीं है।

नेपाल के सरकारी दफ्तरों में जीरो पेंडिंग फाइल अभियान चलाने के निर्देश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देशभर के सरकारी दफ्तरों में 'जीरो पेंडिंग फाइल' अभियान चलाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने जीरो पेंडिंग फाइल अभियान की शुरुआत अपने कार्यालय से की है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने टेबल पर एक भी लंबित फाइल न रखने का निर्देश दिया है।प्रधानमंत्री कार्यालय ने सभी मंत्रालयों, आयोगों, सचिवालयों, सभी प्रांतों के मुख्यमंत्री कार्यालयों तथा स्थानीय कार्यालयों को परिपत्र जारी कर दिशानिर्देश लागू करने और इसकी रिपोर्ट भेजने को कहा है। इसमें कहा गया है कि अनावश्यक रूप से फाइलों को ऊपरी स्तर पर भेजने जैसी प्रवृत्तियों के कारण विभिन्न सेवाओं का प्रवाह बाधित हो रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय की प्रभारी सुसना शर्मा के अनुसार सरकारी कार्यालयों में दर्ज फाइलें और अन्य दस्तावेज विभिन्न स्तरों और टेबलों पर अनावश्यक रूप से लंबित रहने तथा निर्णय में देरी होने की प्रवृत्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

ऐतिहासिक मिशन आर्टेमिस II संपन्न, अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर सुरक्षित लैंडिंग

एजेंसी

वाशिंगटन। नासा का आर्टेमिस II मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। यह अंतरिक्ष की गहराई से खोज में मानवता की वापसी की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे। ये सभी 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'रीड, विक्टर, क्रिस्टीना और जेरेमी का स्वागत है! आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्री रात 8:07 बजे (ईटी) सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए हैं। इसके साथ ही उनकी 10 दिन की ऐतिहासिक चंद्र यात्रा समाप्त हो गई।' इससे पहले एक अन्य पोस्ट में, एजेंसी ने अंतरिक्ष यान के नीचे उतरने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'ओरियन का मुख्य पैराशूट खुल गया है। अंतरिक्ष यान में

11 पैराशूट का एक सिस्टम है, जो इसे लगभग 300 मील प्रति घंटे की गति से धीमा करके 20 मील प्रति घंटे की गति पर ले आएगा, ताकि यह सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर उतर सके।' पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

इस मिशन के दौरान, चालक दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया दूरी का रिकॉर्ड बनाया और अंततः अपने सबसे दूर के बिंदु पर लगभग 252,756 मील की दूरी तक पहुंचे। इस तरह उन्होंने अपोलो 13 मिशन का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।अधिकारियों ने बताया कि इस मिशन को विशेष रूप से इस तरह से डिजाइन किया गया था, ताकि गहरे अंतरिक्ष के वातावरण में स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान का कठोर परीक्षण किया जा सके, और वह भी तब जब उसमें अंतरिक्ष यात्री सवार हों। चंद्रमा के पास से गुजरना इस परीक्षण का अहम हिस्सा था, जिससे भविष्य के मिशनों की तैयारी को परखा जा सके।

नासा की अधिकारी डॉ. लॉरी ग्लेज ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने के लिए काम कर रही है। वहीं, अंतरिक्ष यात्री हैनसेन ने कहा कि यह मिशन पुराने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और यात्रियों की विरासत को सम्मान देता है और खोज के एक नए दौर की शुरुआत करता है।आर्टेमिस II मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी सुनिश्चित करनी है। यह मिशन आने वाले और भी बड़े अंतरिक्ष अभियानों की नींव तैयार करता है।

ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वर्चुअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी।

एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके।

गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है।

इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगें और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है।

इस्लामाबाद पहुंचा अमेरिकी डेलिगेशन : असीम मुनीर ने किया जेडी वेंस का स्वागत

एजेंसी

इस्लामाबाद। ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में आज युद्धविराम पर बातचीत होनी है। इससे पहले दो हफ्तों के सीजफायर का ऐलान हो चुका है। वार्ता को लेकर अमेरिकी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंच चुका है। इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर जेडी वेंस का स्वागत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और विदेश मंत्री इशाक डार ने किया। इससे पहले पाकिस्तान में अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए ईरानी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंच चुका है। ईरान के पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद गालिबफ को इस्लामाबाद ले जा रहे विमान की तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में मिनाब स्कूल हमले में मारे गए बच्चों की तस्वीरें विमान की सीटों पर रखी गईं। इन तस्वीरों के साथ बच्चों के स्कूल बैग और गुलाब के फूल भी रखे गए थे। यह एक भावुक तस्वीर है जो उन बच्चों को श्रद्धांजलि दे रही है।

इस्लामाबाद जाने के दौरान गालिबफ ने इस तस्वीर के जरिए एक मैसेज दिया। एयरक्राफ्ट के अंदर, कई खाली सीटों पर मिनाब स्कूल स्ट्राइक के पीड़ितों की फोटो और निजी सामान रखे थे। ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये बच्चे अमेरिका-इजरायली हमले में मारे गए थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए गालिबफ ने लिखा, 'मिनाब 168, इस विमान में मेरे साथी।' उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को मिनाब के एक एलिमेंट्री स्कूल पर हुए स्ट्राइक में अपनी जान गंवाने वाले बच्चों और स्टाफ के इस सफर के लिए अपना साथी बताया। इस घटना में कथित तौर पर कम से कम 165 मौतें हुईं और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। वहीं पाकिस्तान में उच्च स्तरीय बातचीत से पहले ईरान ने अपने पक्ष को मजबूत करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मैसेज दिया है।

होर्मुज संकट के बीच 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में एस जयशंकर ने एकजुटता के साथ सहयोग पर दिया जोर

एजेंसी

पोर्ट लुइस । भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर चार दिवसीय दौरे पर दो देशों की यात्रा कर रहे हैं। चार दिवसीय दौरे के पहले चरण में विदेश मंत्री मॉरिशस पहुंचे हुए हैं। मॉरिशस में डॉ जयशंकर 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महासागर की अहमियत पर जोर दिया। होर्मुज स्ट्रेट और पश्चिम एशिया में तनाव के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, 'इस मुश्किल समय में, मिलकर काम करने का विचार छोटी-छोटी बातों से आगे बढ़कर साझा जिम्मेदारी के बड़े नजरिए को अपनाने की मांग करता है। हिंद महासागर अपनी सभी उम्मीदों और चुनौतियों के साथ, हमें यह दिखाने का मौका देता है कि इस तरह के सहयोग से असल में क्या हासिल हो सकता है। साथ मिलकर काम करके, हम एक आजाद, स्थिर और खुशहाल हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत इस कोशिश के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।' विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, 'भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र

में लगातार 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' के तौर पर काम किया है। चाहे मानवीय संकट हो या प्राकृतिक आपदाएं, हम तेजी और भरोसे के साथ आगे बढ़े हैं। चाहे श्रीलंका, मेडागास्कर या मोजाम्बिक में आपदा राहत ऑपरेशन हों या मॉरिशस या श्रीलंका के तटों पर तेल रिसाव पर प्रतिक्रिया देना हो, हम इस क्षेत्र के लिए हमेशा मौजूद रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि इसका एक हालिया उदाहरण पिछले साल श्रीलंका में आए विनाशकारी तूफान दित्वाह के बाद 'ऑपरेशन सागरबंधु' है। हमने न केवल तुरंत और बड़े पैमाने पर एचएडीआर ऑपरेशन किए, बल्कि राहत और पुनर्निर्माण के लिए 450 मिलियन डॉलर का पैकेज भी दिया। इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन का हेडक्वार्टर मॉरिशस में है। भारत सतत विकास, कैपेसिटी बिल्डिंग और क्षेत्रीय इंटीग्रेशन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान डॉ. एस. जयशंकर ने समुद्र में आ रही चुनौतियों और होर्मुज स्ट्रेट का भी जिक्र किया और कहा, 'हमने कई कॉन्फ्रेंस में अपने समुद्री इलाके में गैर-पारंपरिक चुनौतियों पर चर्चा की है। लेकिन सच यह है कि हम इससे बच नहीं सकते।

सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा को लेकर भारत और अमेरिका मिलकर करेंगे काम, सर्जियो गोर ने जताई मजबूत साझेदारी की उम्मीद

एजेंसी

फ्लोरिडा । भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को कहा कि वॉशिंगटन और नई दिल्ली व्यापार, रक्षा और ऊर्जा सहित प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। फ्लोरिडा में विदेश सचिव विक्रम मिस्री विक्रम मिस्री की फ्लोरिडा यात्रा के दौरान सर्जियो गोर ने मार-ए-लागो में हुई मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज रात मार-ए-लागो में विक्रम मिस्री की मेजबानी करना खुशी की बात रही। व्यापार, रक्षा और ऊर्जा से लेकर कई क्षेत्रों में भारत और अमेरिका आने वाले समय में मिलकर काम करने को तैयार हैं।' भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस सप्ताह ऊर्जा, महत्वपूर्ण तकनीकों और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत किया, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। तीन दिवसीय व्यस्त कार्यक्रम के अंतिम दिन ऊर्जा सहयोग प्रमुख मुद्दा रहा, जिसमें विक्रम मिस्री ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से मुलाकात की। भारतीय दूतावास के अनुसार, इस बैठक में ऊर्जा सुरक्षा को आगे बढ़ाने, द्विपक्षीय ऊर्जा व्यापार को गहरा करने और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करने के नए रास्तों पर चर्चा हुई।

सजियो गोर ने ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में शांति (एसएचएएनटीआई) बिल पारित होने के बाद अब सिविल न्यूक्लियर सहयोग के साथ-साथ कोल गैसीफिकेशन और अमेरिकी एलपीजी निर्यात जैसे क्षेत्रों में भी काम किया जा सकता है। शांति बिल भारत में ऊर्जा क्षेत्र, खासतौर पर सिविल न्यूक्लियर और स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित विधायी ढांचा माना जाता है। यह देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अहम माना जा रहा है इसके लिए भारत अमेरिका जैसे देशों के साथ ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करना चाहता है।ऊर्जा के अलावा, बातचीत के दौरान उभरती तकनीकों और सप्लाई चेन पर भी चर्चा हुई। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, अंडर सेक्रेटरी विलियम किमिट और विक्रम मिस्री के बीच महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने, सुरक्षित सप्लाई चेन सुनिश्चित करने और एआई निर्यात के अवसरों पर विचार-विमर्श हुआ।

विक्रम मिस्री ने अमेरिकी विदेश विभाग में डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाउ से भी मुलाकात की और आने वाले वर्ष के लिए पूरे द्विपक्षीय एजेंडे की समीक्षा की। इसमें व्यापार, तकनीक, रक्षा और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, उन्होंने व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल नेतृत्व से भी बातचीत की। भारतीय दूतावास वाशिंगटन के अनुसार, इन बैठकों में इंडियन ओशन स्ट्रेटेजिक वेंचर और पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम जैसे साझा रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई।

सजियो गोर ने कहा कि अमेरिकी सेना और भारतीय सेना दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने रक्षा उपकरणों की बिक्री और इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने पर भी जोर दिया। विक्रम मिस्री ने इंडिया हाउस में आयोजित एक स्वागत समारोह में भी हिस्सा लिया, जिसकी मेजबानी अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने की। यहां उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से मुलाकात की। यह बैठकों का सिलसिला नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शाता है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और रक्षा साझेदारी जैसे अहम क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

तनाव के बीच जवाबी कार्रवाई करते हुए इक्वाडोर पर कोलंबिया 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

एजेंसी

बोगोटा। कोलंबिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश इक्वाडोर से आयात पर शुल्क 30 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देगा। यह कदम क्विटो द्वारा एक दिन पहले लिए गए निर्णय के अनुरूप है, क्योंकि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। व्यापार मंत्री डायना मोरालेस ने एक बयान में कहा कि इक्वाडोर द्वारा शुल्क में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की नवीनतम वृद्धि ने कोलंबिया को अपनी नीति में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। डायना मोरालेस कहा, 'हमने सभी राजनयिक प्रयास किए और इक्वाडोर सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जिससे दोनों देशों, व्यापारियों और सबसे बढ़कर सीमा के दोनों ओर के समुदायों को लाभ हो। हालांकि, हमें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए हम अपने टैरिफ उपायों को इक्वाडोर की नई दर के अनुरूप समायोजित करने के लिए मजबूर हैं।' कोलंबिया सरकार प्रभावित व्यवसायों की मदद के लिए क्रेडिट लाइन और विशेष विकल्प तक पहुंच सहित सहायता उपाय शुरू करेगी।' व्यापार घाटे का हवाला देते हुए और कोलंबिया पर साझा सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए इक्वाडोर ने हाल के महीनों में अपने बड़े पड़ोसी देश के खिलाफ टैरिफ बढ़ा दिए हैं, जबकि कोलंबिया ने इन आरोपों से इनकार किया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के उस बयान पर भी दोनों देशों के बीच टकराव हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को 'राजनीतिक कैदी' के रूप में रखा गया है।

ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने में करना पड़ रहा संघर्षः रिपोर्ट

एजेंसी

वाशिंगटन । पहले से ही तनावपूर्ण जियोपॉलिटिकल माहौल में एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। खबर है कि ईरान को हाल की लड़ाइयों के दौरान समुद्री माइंस बिछाने के बाद स्ट्रेटेजिक रूप से अहम होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने यूएस अधिकारियों के हवाले से बताया कि तेहरान उन सभी माइंस का पता नहीं लगा पा रहा है जिन्हें उसने जरूरी शिपिंग कॉरिडोर में लगाया है। इससे समुद्री सुरक्षा और ग्लोबल तेल सप्लाई को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। होर्मुज की खाड़ी, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ती है, दुनिया के सबसे जरूरी तेल ट्रांजिट रास्तों में से एक है, जहां दुनिया भर के तेल शिपमेंट का

लगभग पांचवां हिस्सा जाता है। भारत जैसे देशों के लिए, यह निर्भरता और भी ज्यादा है, क्योंकि उसके एनर्जी इंपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा इसी पतले चैनल से होकर गुजरता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पिछले महीने छोटी नावों का इस्तेमाल करके माइंस लगाई थीं; यह तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यूएस और इजरायल के जॉइंट एयरस्ट्राइक के तुरंत बाद हुआ था। हालांकि, अब अधिकारियों का मानना ??है कि माइनिंग ऑपरेशन को शायद सिस्टमैटिक तरीके से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया होगा। कुछ डिवाइस, रिकॉर्ड होने पर भी, इस तरह से लगाए गए थे कि वे इधर-उधर बहते रहे, जिससे उनका पता लगाना और हटाना काफी मुश्किल हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस अधिकारियों ने माइनिंग की कोशिश को 'बेतरतीब' बताया और कमर्शियल शिपिंग के खतरों की ओर ध्यान दिलाया। इस स्थिति ने डिप्लोमैटिक कोशिशों, खासकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच इस्लामाबाद में चल रही अहम बातचीत पर भी असर डाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी जारी की थी कि स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाज समुद्री माइन से टकरा सकते हैं। हालांकि, इसने टोल देने वाले जहाजों के आने-जाने के लिए दूसरा रास्ता खुला छोड़ दिया है। 'चिंताओं को और बढ़ाते हुए, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को संभावित खतरे की चेतावनी देते हुए एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है।

पाकिस्तान में बातचीत से पहले ईरानी स्पीकर ने मिनाब हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि, बैग और तस्वीरों के साथ रखे फूल

एजेंसी

तेहरान । पाकिस्तान में अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए ईरानी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंच चुका है। ईरान के पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद गालिबफ को इस्लामाबाद ले जा रहे विमान की तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में मिनाब स्कूल हमले में मारे गए बच्चों की तस्वीरें विमान की सीटों पर रखी गईं। इन तस्वीरों के साथ बच्चों के स्कूल बैग और गुलाब के फूल भी रखे गए थे। यह एक भावुक तस्वीर है जो उन बच्चों को श्रद्धांजलि दे रही है। इस्लामाबाद जाने के दौरान गालिबफ ने इस तस्वीर के जरिए एक मैसेज दिया। एयरक्राफ्ट के अंदर, कई खाली सीटों पर मिनाब स्कूल स्ट्राइक के पीड़ितों की फोटो और निजी सामान रखे थे। ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये बच्चे अमेरिका-इजरायली हमले में मारे गए थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए गालिबफ ने लिखा, 'मिनाब 168, इस विमान में मेरे साथी।' उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को मिनाब के एक एलिमेंट्री स्कूल पर हुए स्ट्राइक में अपनी जान गंवाने वाले बच्चों और स्टाफ के इस सफर के लिए अपना साथी बताया। इस घटना में कथित तौर पर कम से कम 165 मौतें हुईं और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। वहीं पाकिस्तान में उच्च स्तरीय बातचीत से पहले ईरान ने अपने पक्ष को मजबूत करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मैसेज दिया है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस्लामाबाद पहुंचने पर, गालिबफ ने सावधानी भरा रुख अपनाया और कहा कि ईरान अच्छे इरादों के साथ लेकिन भरोसे के बिना बातचीत में शामिल हो रहा है।

गालिबफ ने कहा कि बातचीत के पिछले राउंड लगातार पक्के नतीजे देने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बदकिस्मती से, अमेरिकियों के साथ बातचीत का हमारा अनुभव हमेशा नाकामी और कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन वाला रहा है। पहले की बातचीत के दौरान भी, ईरान को ऐसे कामों का सामना करना पड़ा था जिन्हें वह पहले की समझ का उल्लंघन मानता है।' तेहरान की स्थिति बताते हुए, गालिबफ ने जोर दिया कि कोई भी समझौता अमेरिका के नजरिए पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, 'आने वाली बातचीत में, अगर अमेरिकी पक्ष एक असली समझौता करने और ईरानी लोगों के अधिकार देने के लिए तैयार है, तो वे समझौता करने के लिए हमारी तैयारी भी देखेंगे।

नेपाल में बालेन्द्र शाह मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों की संख्या 40 प्रतिशत पहुंची

काठमांडू। नेपाल में बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी 40 प्रतिशत तक बढ़ाकर समावेशी शासन पर जोर दिया है। बालेन्द्र शाह के मंत्रिमंडल में शामिल कुल 15 मंत्रियों में 6 महिलाओं को शामिल किया गया है, जो कुल 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में बने नए मंत्रिमंडल में सोबिता गौतम को कानून, न्याय और संसदीय मामलों की मंत्री, गीता चौधरी को कृषि एवं पशुपालन विकास मंत्री, सीता बादी को महिला, बालबालिका एवं ज्येष्ठ नागरिक मंत्री और निशा मेहता को स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री नियुक्त किया गया।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सिफारिश पर बाद में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने शुक्रवार को ही गौरी यादव को उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्री नियुक्त किया। प्रधानमंत्री शाह की प्रेस विशेषज्ञ दीपा दाहाल ने कहा कि यह नेपाल में कैबिनेट स्तर पर महिलाओं की भागीदारी के लिए एक नया मानक स्थापित करता है।उन्होंने कहा, 'वर्तमान सरकार समावेशी और समानतापूर्ण शासन के लिए प्रतिबद्ध है। 40 प्रतिशत महिला मंत्रियों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि परिवर्तनकारी राजनीति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता व्यवहार में लागू हो रही है।' नेपाल के संविधान में राज्य निकायों में कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य की गई है।

पाकिस्तानी सेना ने बलूचों का किया कत्ल, पांच लापता

एजेंसी

क्वेटा । बलूचिस्तान में आम लोगों के खिलाफ हिंसा लगातार जारी है। एक बड़े ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने पाकिस्तानी सेना पर तीन आम बलूचों की एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल (न्यायेतर) हत्या और पांच को जबरन गायब करने का आरोप लगाया है। ह्यूमन राइट्स बॉडी बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने बताया कि 17 साल के छात्र सादिक नूर और 40 साल के ड्राइवर मुस्लिम दाद के शव केच जिले के तुर्बत इलाके में मिले। दोनों ही सात महीने से लापता थे। कथित तौर पर सेना ने इन्हें अगवा किया था। बीवाईसी के मुताबिक, सादिक और दाद दोनों को 7 सितंबर, 2025 को पाकिस्तान की फ्रंटियर कॉर्प्स और मिलिट्री इंटेलिजेंस ने तुर्बत के अबसार इलाके में उनके घरों से जबरदस्ती गायब कर दिया था।

एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग की निंदा करते हुए, मानवाधिकार संगठन ने कहा, 'यह कोई अकेला मामला नहीं है। यह कोई गलती नहीं है। यह एक पैटर्न है, एक ऐसा सिस्टम है जहां बिना किसी जवाबदेही के जान ली जाती है, जहां चुप्पी साधी जाती है, और जहां जानबूझकर न्याय करने से इनकार किया जाता है।'

बीवाईसी ने आगे बताया कि 19 साल के छात्र कंबर बलूच का गोलियों से छलनी शव 8 अप्रैल को तुर्बत में फेंका गया था, जिस पर बेरहमी से टॉर्चर के साफ निशान थे। कंबर को 7 अक्टूबर, 2025 को उनके घर से जबरदस्ती गायब कर दिया गया था।

'क्रूरता' पर चिंता जताते हुए, मानवाधिकार संस्था ने कहा, 'बलूच युवाओं को बिना किसी

ट्रायल या आरोप के जबरदस्ती गायब करना, टॉर्चर करना और मारना–यह मानवाधिकारों और पाकिस्तान के संविधान का सीधा उल्लंघन है। जहां कोई कोर्ट नहीं, कोई इंसाफ नहीं, रहती है तो सिर्फ चुप्पी और डर।' बीवाईसी ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की, और चेतावनी दी कि बलूचिस्तान में हालात बिगड़ रहे हैं, जहां न्यायेतर हत्याएं और जबरन अगवा करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। आम लोगों पर हो रहे अत्याचारों पर जोर देते हुए, बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने पांच बलूच आम लोगों को जबरदस्ती गायब कर दिया। मानवाधिकार संस्था ने कहा कि 20 साल के नजीब असगर और 30 साल के अल्लाह बख्श, जो एक मजदूर थे, को 8 अप्रैल को बलूचिस्तान के सुराब इलाके से जबरदस्ती गायब कर दिया गया, जिससे उनके परिवार 'लंबे समय तक दुख और अनिश्चितता' में रह गए।

इसके अलावा, उसी दिन, पाकिस्तान के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट ने कराची में देर रात कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन के दौरान एक महिला समेत तीन बलूच नागरिकों को हिरासत में लिया।

पीड़ितों की पहचान 18 साल के छात्र सलमान, 16 साल के शहजाद और 24 साल की शिक्षिका शकीला के तौर पर हुई।

इस घटना की आलोचना करते हुए, बीवीजे ने कहा, 'कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्हें किसी कोर्ट में पेश नहीं किया गया है। परिजनों को उनके ठिकाने के बारे में जानकारी देने से मना कर दिया गया है। तुरंत जानकारी देना और सुरक्षित रिहाई जरूरी है।'

page 1 and 8 Apr 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/12/2026 12:31 AM Page 2

स्थानीय समाचार

डोडा जिले में स्थित सौ साल पुराने भदरवाह स्कूल का होगा जीर्णोद्धार

डोडा, 11 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के सबसे पुराने शिक्षण संस्थानों में से एक डोडा के बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल को सरकार द्वारा विरासत विद्यालय के रूप में पुनर्विकास करने के निर्णय से बड़ा प्रोत्साहन मिला है।

20वीं सदी के इस संस्थान (जिसे पहले अमर सिंह हाई स्कूल के नाम से जाना जाता था) के 3.06 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले पुनर्विकास की आधारशिला भदरवाह के अतिरिक्त उपायुक्त सुनील कुमार भुत्याल ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और पूर्व छात्र कैलाश चंद्र की उपस्थिति में रखी। यह विद्यालय जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भदरवाह कस्बे में स्थित है। यह चिनाब घाटी क्षेत्र का पहला हाई स्कूल था जिसकी स्थापना 1920 में तत्कालीन डोगरा शासक महाराज प्रताप सिंह ने की थी।

भूत्याल ने कहा कि प्रेरणा हेरिटेज स्कूल योजना के तहत चलाई जा रही 3.06 करोड़ रुपये की पुनर्विकास परियोजना का उद्देश्य छात्रों को गहन शिक्षण अनुभव प्रदान करके उन्हें प्रेरणा का केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से स्कूल के पूर्व छात्रों में गर्व की भावना भी जागृत होगी क्योंकि दशकों से प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल करने वाले इस ऐतिहासिक संस्थान का संरक्षण और नवीनीकरण का नया दौर शुरू हो रहा है।

एडीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप अपनी तरह की यह पहली स्कूल पुनर्विकास पहल, प्रेरणा, क्षेत्र के युवाओं को बदलाव के उत्प्रेरक के रूप में उभरने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

चंदर ने इस विकास को गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि उनके दादा, पिता और वे स्वयं इस संस्थान के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल को विरासत का दर्जा मिलने के बाद इसके प्रधानाचार्य के रूप में इसका नेतृत्व करना एक ऐसा मील का पत्थर है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार स्वतंत्रता से पहले, 1947 तक यह विद्यालय लाहौर स्थित पंजाब विश्वविद्यालय से संबद्ध था। बाद में यह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और फिर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गया। जम्मू-कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड की स्थापना के बाद, 1974 में यह संस्थान जम्मू-कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड से संबद्ध हो गया। उन्होंने बताया कि 2015-16 के शैक्षणिक सत्र के दौरान इसका नाम बदलकर मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल कर दिया गया।

केपीडीसीएल ने रखरखाव और लाइनों की मरम्मत के चलते घाटी के कई जिलों में आगामी दिनों के लिए शटडाउन की घोषणा की

कश्मीर, 11 अप्रैल (हि.स.)। कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने रखरखाव और लाइनों की मरम्मत के चलते घाटी के कई जिलों में आगामी दिनों के लिए शटडाउन की घोषणा की है। के.पी.डी.सी.एल के वितरण विभाग के मुख्य अभियंता ने सूचित किया है कि 33 के.वी. अरमपोरा-बांडीपोरा लाइन 11 अप्रैल को बंद रहेगी जिस कारण डूरू, डांगरपोरा, शिवा, मुंडजी, वाटलाब, कुनुसाए बोटिंगू, हथलंगू, तुज्जर, हरवान और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी।

जानकारी के मुताबिक 33 के.वी. कनिपोरा-पिंजोरा लाइन 12, 15 और 18 अप्रैल को सुबह 9 से दोपहर 3:30 बजे तक बंद रहेगी जिस कारण अरहामा, टाउन, बोंगम, शोपियां, पिंजोरा, पाहनू, किलोरा, इमाम साहिब, वेहिल, नौगाम, रेशिनागरी, कछदूरा और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी।

इसी तरह 33 के.वी. बड़गाम एस.आई.डी.सी.ओ. लाइन भी बंद रहेगी। 12 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक टैपलाइन में खराबी के कारण ओमपोरा, हाउसिंग कॉलोनी, एन.आई.एफ.टी.ए., एस.आई.डी.सी.ओ., मोहनपोरा, शेखपोरा और आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

जबकि 132/33 के.वी., 100 एम.वी., जी.आई.एस. खानयार में शटडाऊन के कारण 12 और 13 अप्रैल को सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक इंडस्ट्रियल एस्टेट-बी.ए.एम.सी., राजा कॉलोनी, नौशहरा, जादिबल, हावल, बोटाकदल, बी.एस.एन.एल., गिल कदल, अथी-दरवाजा रैनावारी, मनोरोग अस्पताल, पी.एच.ई. केंद्रीय जेल, सैदा कदल और आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

इस बीच कार्यकारी अभियंता लोड डिस्पैच सैंटर डिवीजन बेमिना ने सूचित किया है कि 33 के.वी. अचबल चेरपोरा टैपलाइन में शटडाऊन के कारण अचबल, शांगस,नौगाम, चेरपोरा और आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति 11 अप्रैल को सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

कुलगाम में 100 दिवसीय गहन नशा मुक्त अभियान का शुभारंभ

कुलगाम, 11 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय गहन अभियान का आज कुलगाम में नशा मुक्ति के खिलाफ जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य नशाखोरी से लड़ना और एक स्वस्थ, नशामुक्त समाज को बढ़ावा देना है। अभियान का शुभारंभ कुलगाम के उपायुक्त शहजाद आलम और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनायत अली चौधरी ने किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने नशा से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने की शपथ ली। मिनी सचिवालय से डीपीएल कुलगाम तक एक पदयात्रा का भी आयोजन किया गया। डीपीएल कुलगाम में कार्यक्रम के अंतर्गत एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। मिनी सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों, सामुदायिक नेताओं और युवाओं सहित सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने लोगों विशेष रूप से युवाओं से अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें युवाओं के लिए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से बनाई गई विभिन्न सरकारी रोजगार और आजीविका योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आगे कहा कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर काबू पाने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और सामुदायिक सहयोग आवश्यक हैं और उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षक ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि 100 दिवसीय अभियान का उद्देश्य इस खतरे को रोकने के लिए जागरूकता और प्रवर्तन प्रयासों को मजबूत करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मादक पदार्थों के नेटवर्क को नष्ट करने में सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण है और लोगों से मादक पदार्थों के तस्करों के बारे में जानकारी देने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर में 100 दिवसीय नशामुक्ति अभियान में सेना की व्हाइट नाइट कोर हुई शामिल

जम्मू, 11 अप्रैल (हि.स.)। सेना की व्हाइट नाइट कोर शनिवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान में शामिल हुई जिसका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश से नशे की लत को जड़ से खत्म करना है।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) व्हाइट नाइट कोर ने नागरोटा में नशामुक्ति अभियान के तहत तीन महीने तक चलने वाली जनसंपर्क गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की जो राष्ट्र निर्माण और सामाजिक लचीलेपन के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को दोहराती है। अभियान का शुभारंभ एक संयुक्त शपथ समारोह के साथ हुआ जिसके बाद स्कूली बच्चों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेटों द्वारा पदयात्रा निकाली गई जो नशे की समस्या से लड़ने के लिए एकजुट संकल्प का प्रतीक है। प्रवक्ता ने कहा कि यह पहल नागरिक प्रशासन, पुलिस अधिकारियों, चिकित्सा एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और सामुदायिक नेताओं के साथ घनिष्ठ समन्वय में चलाई जा रही है जिससे समाज के समग्र हित को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि अगले 14 हफ्तों में अभियान स्कूलों और कॉलेजों में गहन जागरूकता अभियान, प्रभावशाली व्यक्तियों और धार्मिक नेताओं के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता और युवाओं और परिवारों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से लक्षित आउटरीच कार्यक्रमों पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि व्याख्यान, संवादात्मक सत्र और प्रत्यक्ष अनुभव साझा करना जागरूकता प्रयासों का मुख्य आधार होंगे जिन्हें डिजिटल माध्यमों के प्रसार और जमीनी स्तर की भागीदारी का समर्थन प्राप्त होगा। प्रवक्ता ने कहा कि यह पहल प्रारंभिक पहचान, परामर्श सहायता और पुनर्वास तंत्र से जुड़ाव को सुगम बनाएगी, साथ ही सामुदायिक भागीदारी और युवा सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देगी अधिकारी ने कहा कि यह समन्वित प्रयास सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने, जन विश्वास को मजबूत करने और युवाओं को एक रचनात्मक और नशामुक्त भविष्य की ओर मार्गदर्शन करने में राज्य एजेंसियों और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करने के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ समारोह

कठुआ, 11 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 100-दिवसीय अभियान की शुरुआत के अवसर पर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज मढ़हीन में एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और नशा मुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अनुपमा गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिनके प्रेरणादायक संबोधन ने विद्यार्थियों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। समारोह में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। साथ ही उन्होंने अपने परिवार, मित्रों और समाज में भी नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। नशा मुक्त भारत अभियान के संयोजक डॉ. बलबिंदर सिंह ने अपने संबोधन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. बलबिंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. अरुण देव सिंह, प्रो. अनूप शर्मा, डॉ. शालू रानी, प्रो. मनु सैनी, प्रो. चरण सिंह एवं डॉ. प्रीति खजूरिया सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

डाइट किश्तवाड़ ने साइबर सुरक्षा जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की

किश्तवाड़, 11 अप्रैल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) किश्तवाड़ ने कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों में साइबर सुरक्षा जागरूकता का आकलन करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसमें डिजिटल तकनीक के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया गया है। कार्यशाला में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देश साझा किए गए। साथ ही सीआईईटी-एनसीईआरटी के अध्ययन साइबर सुरक्षा जागरूकता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्रों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान चोरी, साइबर बुलिंग, फिशिंग और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचाव के उपाय बताए गए। मुख्य अतिथि डॉ. ईशान गुप्ता (डीवाईएसपी) ने साइबर खतरों और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार पर विस्तृत जानकारी दी। साइबर विशेषज्ञ रियाज अहमद मीर ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने ऑनलाइन फॉर्म भरकर सक्रिय भागीदारी दिखाई।

डोडा में पदयात्रा के साथ 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान की शुरुआत

डोडा, 11 अप्रैल। डोडा जिले में 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत 100 दिवसीय अभियान की शुरुआत पदयात्रा के साथ हुई। रैली स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू होकर डाक बंगला तक पहुंची, जिसमें छात्रों, अधिकारियों और आम जनता ने भाग लिया। इस दौरान नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा किए गए राज्य स्तरीय शुभारंभ के तहत किया गया। इसी तरह भद्रवाह में भी एक पदयात्रा आयोजित की गई, जिसमें छात्रों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

रामबन में 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान की शुरुआत

रामबन, 11 अप्रैल। जिला प्रशासन रामबन ने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत 100 दिवसीय अभियान की शुरुआत भव्य पदयात्रा के साथ की।

पदयात्रा डीपीएल चंदरोग से शुरू होकर जिला प्रशासनिक परिसर तक पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान ने लोगों को नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई और कहा कि यह अभियान जागरूकता, पुनर्वास और सख्त कार्रवाई पर केंद्रित रहेगा।

लोग जेकेएनसी में शामिल, उमर अब्दुल्ला की नीतियों पर जताया भरोसा

मेंढर, 11 अप्रैल (हि.स.)। क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के तहत विभिन्न दलों से जुड़े कई प्रमुख लोगों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस का दामन थाम लिया। इस दौरान उन्होंने मर अब्दुल्ला के नेतृत्व और विकास आधारित नीतियों पर विश्वास जताया। नए सदस्यों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में विकास, जनकल्याण और समावेशी नीतियों पर आधारित कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्होंने यह निर्णय लिया है। खासतौर पर मेंढर क्षेत्र में कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा के जनसंपर्क, उपलब्धता और जनहितकारी पहलों की सराहना की गई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए इसे जेकेएनसी की नीतियों और जनविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में संतुलित विकास और समान अवसरों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

जीडीसी कस्तीगढ़ में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डोडा, 11 अप्रैल। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कस्तीगढ़ के रेड रिबन क्लब ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कौशल कुमार मंगोत्रा और नोडल अधिकारी डॉ. अनुपम लता ने छात्रों और स्टाफ को संबोधित करते हुए नशे से दूर रहने और नशे को ना, जीवन को हां का संदेश फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में छात्रों और स्टाफ ने नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर डॉ. अर्जुन सिंह, प्रो. सल, डॉ. सुमीर, डॉ. मोहम्मद अशरफ सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नशा मुक्त उधमपुर अभियान डीसी ने समाज के सहयोग की अपील की

उधमपुर, 11 अप्रैल। उपायुक्त मिंगा शेरपा ने नागरिक समाज, गणमान्य व्यक्तियों और धार्मिक संगठनों के प्रमुखों के साथ बैठक कर नशा मुक्त अभियान को मजबूत बनाने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों में शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि उनकी भागीदारी अभियान की सफलता के लिए जरूरी है।

पुलिस ने कई अभियानों में छह नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया

अनंतनाग, 11 अप्रैल (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पुलिस ने शनिवार को कई अभियानों में छह नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए।

शांगुस में पट्टी शेखपोरा निवासी गुलाम रसूल शेख के पुत्र रियाज़ अहमद शेख के आवास पर छापेमारी के बाद रियाज़ और दौदपोरा ब्राह निवासी मोहम्मद लतीफ़ के पुत्र आदिल लतीफ़ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने लगभग 5.75 किलोग्राम गांजा बरामद किया और एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 33/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया।

संगम चौक पर गुलाम मोहम्मद लोन के पुत्र और नटीपोरा संगम निवासी साकिब अहमद लोन को 140 ग्राम चरस के साथ पकड़ा गया। बिजबेहरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 84/2026 दर्ज की गई। इसी प्रकार बुमजू केपी रोड पर नाकाबंदी के दौरान न्यू कॉलोनी मट्टन निवासी अली मोहम्मद मोची के पुत्र रियाज अहमद मोची को लगभग 5.24 किलोग्राम चरस पाउडर के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में मट्टन पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 37/2026 दर्ज की गई है।

इसके अलावा त्रासू में चीरपोरा निवासी गुलाम हसन के पुत्र एजाज अहमद लोन के आवास पर तलाशी अभियान के दौरान 2.225 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 36/2026 दर्ज की गई।

विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर एक अलग कार्रवाई में पुलिस ने मंजीगम निवासी खजीर मोहम्मद शेख के पुत्र गुलाम मोहिदीन शेख के खिलाफ एफआईआर संख्या 23/2026 दर्ज की। न्यायिक मजिस्ट्रेट से वारंट प्राप्त करने के बाद पुलिस ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में उसके आवासीय टिन शेड की तलाशी ली जिसमें लगभग 17.27 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ (भांग भूसा) बरामद हुआ। इसके अतिरिक्त उसकी व्यक्तिगत तलाशी के दौरान 23 ग्राम चरस बरामद हुई।

शहीद पुलिस जवान जसवंत सिंह की स्मृति में वॉलीबॉल टूर्नामेंट आयोजित

कठुआ/हीरानगर, 11 अप्रैल (हि.स.)। हीरानगर के लोंडी गांव में स्थानीय युवाओं द्वारा शहीद पुलिस जवान जसवंत सिंह की स्मृति में दो दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन एसपी ऑपरेशंस बॉर्डर कठुआ बृजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इस अवसर पर एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच, डीएसपी ऑप्स कठुआ पुष्पा ठाकुर तथा एसएचओ हीरानगर इंस्पेक्टर अमित सांगड़ा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहीद के पिता की गरिमामयी उपस्थिति ने माहौल को भावुक बना दिय

।। लोंडी गांव के गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर स्थानीय युवाओं के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। यह आयोजन शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने का माध्यम बना। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में युवाओं को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं।

यह टूर्नामेंट न केवल शहीद के सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देने का प्रतीक बना बल्कि समाज में एकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करने का संदेश देता है।